10 अगस्त, 2025
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
रविवार, वर्ष 10, अंक 291

गांव के विकास से ही समृद्ध होगा देश और प्रदेशः हेमंत

विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री ने पिता की याद में किया भावुक पोस्ट

बाबा आज सशरीर साथ नहीं...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस था। झारखंड के लिए यह खास दिन होता है। कई तरह के कार्यक्रम होते हैं। सरकार की तरफ से भी भव्य आयोजन होता है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण इस बार शांति के साथ इस दिवस को मनाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पुत्र धर्म का निर्वहन करने के लिए इन दिनों नेमरा में हैं। वह पिता शिबू सोरेन के श्राद्ध कर्म को पूरा करने में लगे हैं। शनिवार को भी उन्होंने पारंपरिक श्राद्ध कर्म की रस्में निभायीं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार अपने परिवार के सदस्यों के साथ पारंपरिक अनुष्ठान किया। इन सब के बीच उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस का भी याद किया। इस दौरान उन्हें अपने 'बाबा' गुरुजी की भी याद आयी। इस पर उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया।

हेमंत ने लिखा, आज विश्व आदिवासी दिवस है, पर मेरे मार्गदर्शक, मेरे गुरु, मेरे बाबा सशरीर साथ नहीं हैं, मगर उनका संघर्ष, उनके विचार, उनके आदर्श हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। वह न केवल मेरे पिता थे, बल्कि समस्त आदिवासी समाज समेत झारखंड की आत्मा, संघर्ष के प्रतीक और जल-जंगल-जमीन के सबसे मुखर रक्षक भी थे।

आदिवासी समाज का जीवन-दर्शन प्रकृति से ही शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आदिवासी समाज ही है, जिसने मानव जाति को प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर खुशहाल जीवन जीने का मार्ग दिखाया है। आदिवासी समाज का जीवन-दर्शन प्रकृति से ही शुरू और प्रकृति पर ही खत्म होता है। मगर सदियों से खुद आदिवासी तथा शोषित-वंचित समाज हाशिये पर खड़े रहने को मजबूर रहा। बाबा ने इसी स्थिति को बदलने के लिए अपना पूरा जीवन न्यौछावर कर दिया था।

बाबा का आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम प्रिय थाः हेमंत सोरेन ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य भर में होने वाला कार्यक्रम उनका प्रिय रहा, क्योंकि यह अवसर आदिवासी समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम रहा है, आदिवासी समाज की प्रतिभा को वैश्विक मंच देने का अवसर बना है।

वीर पुरखों को नमन करता हूं

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा विश्व आदिवासी दिवस मना रहा है। इस अवसर पर मैं बाबा दिशोम गुरु सहित हमारे सभी वीर पुरखों को नमन करता हूं, जिन्होंने संघर्ष और शहादत देकर हमारी पहचान, हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता और हमारे अधिकारों की रक्षा की। विश्व आदिवासी दिवस पर मैं नमन करता हूं अपने वीर पुरखों को, और संकल्प लेता हूं कि उनके दिखाये मार्ग पर चलकर झारखंड और देश में आदिवासी अस्मिता की मशाल को और ऊंचा करूंगा। झारखंड के वीर अमर रहें! देश के समस्त वीर आदिवासी योद्धा अमर रहें! जय जोहार, जय आदिवासियत, जय झारखंड!

पूर्व अमेरिकी एनएसए ने कहा, अमेरिका की बरसों पुरानी मेहनत बर्बाद हुई

ट्रंप सरकार के टैरिफ का उल्टा असर : जॉन बोल्टन

भारत हमसे दूर होकर चीन-रूस के पास जा रहा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। उन्होंने एक चैनल को इंटरव्यू देते हुए ट्रंप सरकार की टैरिफ नीतियों को 'भारी भूल' बताया। बोल्टन ने कहा कि अमेरिका ने रूस और चीन को भारत से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश की थी, लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाये। इससे भारत, रूस और चीन के करीब आ सकता है। बोल्टन ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें।

भारत हमेशा शक की निगाह से देखेगाः उधर, अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी कि यह टैरिफ भारत-अमेरिका संबंधों को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत हमेशा अमेरिका को शक की निगाह से देखेगा और कभी भी इन टैरिफ को नहीं भूलेगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया था कि टैरिफ से शेयर बाजार में जबरदस्त बढ़ोतरी हो रही है और हर दिन नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। साथ ही, सैकड़ों अरब डॉलर देश की तिजोरी में आ रहे हैं। उधर, चीन ने भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ की निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को इसे 'टैरिफ का दुरुपयोग' करार दिया।

दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ गलत

बोल्टन ने कहा कि दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना गलत है। व्हाइट हाउस टैरिफ और अन्य शर्तों में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती होगी। उनके मुताबिक दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे। बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन का चीन ने किया स्वागत

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने कहा है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करता है। पीएम मोदी गलवान घाटी में 2020 की झड़प के बाद पहली बार चीन की यात्रा करेंगे। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वह भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। मोदी इससे पहले 2018 में चीन गये थे। बतौर प्रधानमंत्री मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 31 अगस्त से एक सितंबर तक होने वाले इस शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। उन्होंने पीएम मोदी का कार्यक्रम में आने के लिए स्वागत किया है। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग 2024 में ब्रिक्स समिट में शामिल होने रूस गये थे। वहां के कजान शहर में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस बीच पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के पांच जेट गिराये : वायुसेना प्रमुख

दुश्मन के टोही विमान को भी तबाह किया

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम गेम-चेंजर रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमान गिराये गये थे। इसके अलावा एक टोही विमान को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। एपी सिंह बेंगलुरु के एचएएल मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी वायु रक्षा प्रणाली ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में खरीदे गये एस-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं। पाकिस्तान लंबी दूरी के ग्लाइड बम होने के बाद भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गयीं, बल्कि स्थानीय मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखायी थीं। बताते चलें कि भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गये थे।

सेना को खुली छूट दी गयी थीः वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिये गये थे। हमें खुली छूट थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच समन्वय था। सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एकसाथ लाने के लिए मौजूद थे।

90 घंटे की जंग में पाकिस्तान पीछे हटा

एपी सिंह ने कहा कि यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाये कि उन्हें (पाकिस्तान) साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे, तो इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए वे आगे आये और हमारे डीजीएमओ को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया।

बालाकोट के भूत से छुटकारा पाया

एपी सिंह ने कहा कि 2019 में जब बालाकोट में हमने एयर स्ट्राइक की, तो उसके सबूत नहीं जुटा पाये। लोगों ने सवाल उठाये कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि इस बार हम बालाकोट के उस भूत से निपटने में सक्षम थे और हम दुनिया को यह बताने में सक्षम थे कि हमने क्या हासिल किया है।

आने-जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20 प्रतिशत की छूट

रेलवे ने त्योहारी सीजन में प्रायोगिक तौर पर शुरू की योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय रेल ने दिवाली और अन्य त्योहारों में घर जाने वालों के लिए प्रायोगिक तौर पर एक योजना शुरू की है। इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है, तो रिटर्न टिकट पर 20 फीसदी की छूट मिलेगी। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा, जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़ और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला लिया है।

ट्रेन एक जोड़ी की ही होनी चाहिएः उदाहरण के लिए अगर कोई अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाता है, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से उसे रिटर्न टिकट करना होगा। जैसे- अहमदाबाद-बरौनी (19484) से जाता है, तो वापसी इसी जोड़ी की ट्रेन बरौनी-अहमदाबाद (19483) से होगी। तभी छूट का लाभ मिलेगा।

टिकट विवरण समान होना चाहिएः टिकट में दिये गये सभी विवरण एक समान होने चाहिए। यानी आरंभ और गंतव्य (कहां से कहां तक जाना है), यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3 एसी, 2 एसी) जैसी चीजें दोनों टिकट में एक होनी चाहिए।

बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगीः रेलवे के मुताबिक इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से एक दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

डायनेमिक प्राइसिंग वाली ट्रेनों में नहीं मिलेगा डिस्काउंटः ये छूट फ्लेक्सी फेयर वाली ट्रेनों जैसे- शताब्दी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, सुविधा एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों पर लागू नहीं होगी। लेकिन इसके अलावा सभी श्रेणियों और खासकर ऑन डिमांड ट्रेनें यानी फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें इस छूट के दायरे में शामिल हैं।

जगदीप धनखड़ 'लापता', मुझे उनकी चिंता : कपिल सिब्बल

कहा, अमित शाह जानकारी दें, या हैबियस कॉर्पस दाखिल करना पड़ेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को पूर्व उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक गायब होने पर चिंता जतायी। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस मामले में बयान देने की मांग की। सिब्बल ने कहा कि मुझे उनकी चिंता हो रही है। इस्तीफे के बाद से हमें उनकी कोई जानकारी नहीं है। पहले मैंने 'लापता लेडीज' के बारे में सुना था, लेकिन पहली बार है जब 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में सुन रहा हूं।' उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय को इस बारे में जरूर जानकारी होगी, इसलिए अमित शाह को इस पर बयान देना चाहिए। उन्होंने सवाल कि क्या हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करनी पड़ेगी?

विपक्ष को ही सुरक्षा की लेनी होगी जिम्मेदारीः सिब्बल ने कहा कि लगता है विपक्ष को ही धनखड़ की सुरक्षा करनी पड़ेगी। सिब्बल ने बताया कि उन्होंने पहले फोन किया था, तो धनखड़ के पीए ने कहा कि वे आराम कर रहे हैं। इसके बाद से किसी ने फोन नहीं उठाया। कई नेताओं ने भी यही शिकायत की। बताते चलें कि 7 अगस्त को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे पर चर्चा के लिए दी गयी कार्य स्थगन सूचना को खारिज कर दिया था। आइयूएमएल सांसद अब्दुल वहाब ने इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग की थी।

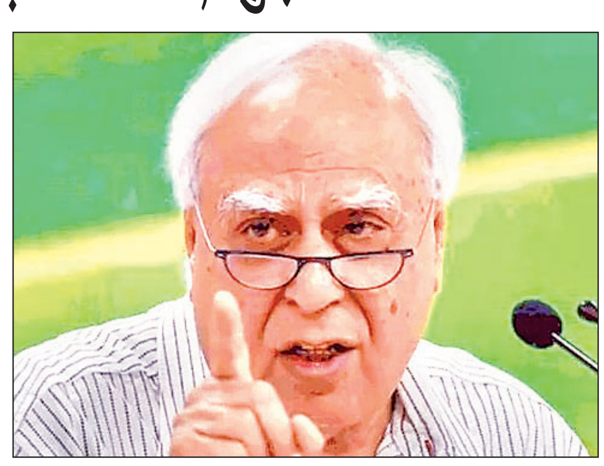

धनखड़ ने 21 जुलाई को इस्तीफा दिया था

धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया था, जिसकी जानकारी 22 जुलाई को राज्यसभा में दी गयी। हालांकि, कई विपक्षी नेताओं ने उनके इस्तीफे पर सवाल उठाये और आशंका जतायी कि यह किसी राजनीतिक दबाव का नतीजा हो सकता है।

न्यूज रील्स

आइसीआइसीआइ बैंक के बचत खाते में न्यूनतम 50 हजार बैलेंस जरूरी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। आइसीआइसीआइ बैंक के खाताधारकों को अब अपने बचत खाते में 50 हजार रुपये का न्यूनतम बैंलेंस मेंटेन करना होगा। इससे कम बैलेंस होने पर ग्राहकों को जुर्माना देना पड़ सकता है। नया नियम एक अगस्त 2025 के बाद खोले गये नये खातों पर लागू होगा। खाते में मिनिमम बैलेंस रखने की सीमा शहरों गावों और मेट्रो शहरों में अलग-अलग है। बैंक ने सभी में इजाफा किया है। मेट्रो और शहरी इलाकों में अब कम से कम 50,000 रुपये, सेमी-अर्बन (अर्ध-शहरी) इलाकों में 25,000 रुपये और गांवों में खुले खातों के लिए यह लिमिट अब 10,000 रुपये हो गयी है। पहले मेट्रो में 10 हजार रुपये मिनिमम बैंलेंस था।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

Euro Kids Pre-School
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | Euro Jonior (LKG) | Euro Senior (UKG) | AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरूआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Subscribe NOW

गुरुजी कहीं नहीं गये हैं, वे बन गये हैं हेमंत सोरेन

डॉ सोमनाथ आर्य

रांची। पिता का साया उठ गया, बिलखते, रोते और अपने आंसुओं को पोछते आपने एक पुत्र को देखा होगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गले लगते, जल, जंगल और जमीन से जुड़े इस माटीपुत्र के हृदय की विशालता का आकलन करना अब शायद ज्यादा मुश्किल नहीं है। वे विनम्रता के विशाल सागर भी हैं और अत्यंत ही आदर भाव से वे अपने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के नेताओं के सामने विनम्रता से अभिवादन करना भी जानते हैं, लेकिन मत भूलिये कि वे झारखंड विधानसभा के पटल पर तनी हुई मुट्ठी से हुंकार करना भी बखूबी जानते हैं। एक सवाल के जवाब में झारखंड के कद्दावर नेता सरयू राय कहते हैं कि अभी बीजेपी के सामने हेमंत सोरेन का मुकाबला करने की ताकत नहीं है। वे खुद हेमंत सोरेन के प्रशंसक हैं। झारखंड की राजनीति को कई दशकों से कवर कर रहे और पारखी नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार आनंद कुमार ने हाल में ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डंके की चोट पर खुलेआम लिखा कि 'गुरुजी कहीं नहीं गये हैं, वे हेमंत सोरेन बन गये हैं'। उनके इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने सवाल भी उठाया, लेकिन मसला विश्वास का है। दरअसल हमारे विश्वास चाहे जो भी हों, लेकिन हम सभी को झारखंड की राजनीति के बुनियादी आख्यानों पर सवाल उठाने के लिए और अतीत की घटनाओं को वर्तमान के सरोकारों से जोड़कर देखने के लिए और विवादास्पद मुद्दों से ना डरने के लिए हमेशा तैयार रखना होगा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड की फिजां में अजीब सी खामोशी है, एक गहरा सन्नाटा सा पसर गया है। लगता है, कोई अपना बिछड़ गया है। चारों ओर गमजदा माहौल है। गुरुजी का सांसों से रिश्ता तो टूट गया, लेकिन उनकी कहानी खत्म नहीं हुई और दिशोम गुरु की कहानी खत्म होगी भी कैसे? अभी हेमंत सोरेन उनके मजबूत राजनीतिक उत्तराधिकारी के साथ-साथ उनका प्रतिबिंब बनकर उभरे हैं। हालांकि झारखंड के साथ-साथ देश के लोगों ने भी हेमंत

सोरेन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का यह रूप उस वक्त देखा, जब से तथाकथित राजनीतिक प्रतिशोध की वजह से कारावास से वापस लौटे थे, जिसका खमियाजा बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को सत्ता से दूर होकर भुगतना पड़ा। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं दरअसल झारखंड बीजेपी के कई बड़े नेता भी इडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई में हेमंत सोरेन को लपटे जाने से खासे नाराज भी थे, लेकिन मानो उनके हाथ-पांव ही बंधे थे।

हेमंत के जेल जाने के बाद आदिवासी समाज ज्यादा भावुक हो गया। हेमंत सोरेन की पत्नी और मौजूदा विधायक कल्पना सोरेन ने बीजेपी को चुनावी मैदान में लगभग धूल ही चटा दी, जिसके फलस्वरूप झारखंड की सामाजिक व्यवस्था को तोड़ने वाली बीजेपी की कल्पित संरचना ताश के पत्ते की तरह ढेर हो गयी।

दरअसल, यह दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन का ही मास्टर स्ट्रोक था, जो उन्होंने अपने पिता से सीखा था कि कैसे लोक-विश्वास और जन आस्था पर राजनीतिक खतरे के वक्त एक खास ढंग से सोचने, कुछ निश्चित मापदंडों के मुताबिक आचरण करना चाहिए।

बीजेपी के केंद्र में मौजूद नेताओं को निश्चित चीजों की ख्वाहिश पालने की आदत थी। शायद यह मॉडल उन्हें दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने के बाद मिला था। इस तरह उन्होंने उन कृत्रिम राजनीतिक प्रवृत्तियों को जन्म दिया, जिन्होंने झारखंड के लाखों की संख्या में एक-दूसरे से अपरिचित लोगों को आपस में संवाद करने की खुली छूट दे दी। दरअसल हेमंत सोरेन उस अभिमन्यु की भांति हैं, जो सातवां द्वार भी तोड़ने की कला अपनी मां की कोख से सीख कर आये हैं। हेमंत सोरेन को पता है झारखंड की संस्कृति की मौलिक ताकत, जो अपने में संपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण है। यह एक ऐसा अपरिवर्तनीय सत्त्व धारण किये है, जिसने उसे हमेशा के लिए परिभाषित कर दिया है। हेमंत सोरेन ने अपनी एक निजी विश्वदृष्टि और सामाजिक, वैधानिक तथा राजनीतिक व्यवस्थापन को विकसित किया है, जो उतने ही निर्विघ्न तरीके से काम करती है, जितने निर्विघ्न ढंग से ग्रह सूर्य का चक्कर लगाते हैं। इस दृष्टिकोण के मुताबिक जिन संस्कृतियों को उनकी अपनी स्वाभाविक गति पर छोड़ दिया जाता है, उनमें कोई बदलाव नहीं होते। वे समान गति से समान दिशा में बढ़ते रहते हैं। कोई बाहर से प्रयुक्त बल ही उनमें परिवर्तन ला सकता है। हेमत सोरेन फिलहाल अपने पैतृक गांव नेमरा में मौजूद हैं। वे बड़ी ही शालीनता के साथ पिता के श्राद्ध कर्म में लगे हैं। वे अपने गांव की खेतों की पगडंडियों पर भी नंगे पांव चल रहे हैं, जैसे उनके पिता और दादाजी चलते थे। वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काव्यात्मक लहजे में अपने पिता को याद कर भावुक पोस्ट भी लिख रहे हैं, जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। उनके दुख और पीड़ा से झारखंड जुड़ता जा रहा है। बेशक अब अलग झारखंड की मांग भी नहीं है, जिसने आंदोलनकारी शिबू सोरेन को दिशोम गुरु बना दिया, लेकिन हेमंत के पास अब खोने को कुछ भी नहीं है। हेमंत की तरकश में अभी कई तीर हैं, जिनकी धार तेज करना उन्हें अपने महान पिता दिशोम गुरु से विरासत में मिली है। **(साभार)**

सीएम नीतीश से मिले 'छोटे सरकार' अनंत सिंह

जेल से बाहर आने से बाद पहली मुलाकात, 15 मिनट चली बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। सीएम हाउस में करीब 15 मिनट तक बैठक चली। बाहर निकलने के दौरान अनंत सिंह ने मीडिया से कोई बात नहीं की और सीधे घर की तरफ निकल गये। बेऊर जेल से बाहर आने के बाद अनंत सिंह की सीएम से पहली मुलाकात थी। चर्चा है कि मोकामा से जेडीयू उम्मीदवार के तौर पर अनंत सिंह ने अपनी दावेदारी पेश की है। बता दें जेल से बाहर निकलने के बाद ही अनंत सिंह ने मोकामा से चुनाव लड़ने का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि वह नीतीश की जेडीयू से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा था कि अगर पार्टी तेजस्वी के खिलाफ मुझे उतारती है, तो मैं उनकी जमानत जब्त करवा दूंगा। यही नहीं, अनंत सिंह ने आगामी चुनाव में आरजेडी के 15 सीटों में सिमटने का दावा किया था, और कहा था कि नीतीश कुमार ही दोबारा बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। पटना हाइकोर्ट ने चर्चित पंचमहला गोलीबारी मामले में पूर्व विधायक अनंत सिंह को जमानत दी है। बीते

22 जनवरी को जब सोनू और मोनू ने मुकेश सिंह के घर में ताला लगा दिया, तब मुकेश ने अनंत सिंह से मदद मांगी। मुकेश पर आरोप लगाया गया कि वह उनके ईंट भट्ठे में मुंशी का काम करता था और 68 लाख रुपये का गबन किया है। इसके बाद अनंत सिंह अपने समर्थकों के साथ सोनू-मोनू से बात करने नौरंगा गांव पहुंचे, जहां दोनों पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई थी। 23 जनवरी को मुकेश के घर पर दोबारा गोलीबारी हुई। इसके बाद पुलिस ने मोनू को गिरफ्तार कर भागलपुर जेल भेज दिया। इस मामले में अनंत सिंह के खिलाफ दो मामले दर्ज किये गये थे। पूर्व विधायक ने बाढ़ कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। उसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में लेते हुए बेऊर जेल भेज दिया गया। पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। 2020 के चुनाव में अनंत सिंह आरजेडी के टिकट पर मोकामा से लड़े थे और चुनाव जीते थे। लेकिन आपराधिक मामले में सजा होने के बाद विधायकी चली गयी थी। मोकामा सीट पर हुए उपचुनाव में अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी राजद की प्रत्याशी बनीं और चुनाव जीत गयीं। लेकिन इस बार अनंत सिंह ने जेडीयू से चुनाव लड़ने की बात कही है।

मंगल पांडेय ने घूस लेकर खरीदा फ्लैट : प्रशांत किशोर

मंगल पांडेय के एफिडेविट में कोई घोषणा नहीं है कि उन्होंने लोन लिया है

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने एक बार फिर से बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर गंभीर आरोप लगाये हैं। प्रशांत किशोर ने मंगल पांडेय पर स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए दिल्ली के द्वारका में पत्नी के नाम से 86 लाख रुपये का फ्लैट खरीदने का आरोप लगाया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय पर आरोप लगाया कि 2020 में कोविड में लोग परेशान थे और उस वक्त बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय दिल्ली में फ्लैट खरीद रहे थे। उन्होंने मंगल पांडेय के दिल्ली वाले फ्लैट का पता का भी जिक्र किया। प्रशांत किशोर ने बताया कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की मदद से मंगल पांडेय ने दिल्ली में फ्लैट खरीदा। उन्होंने कहा कि मंगल पांडेय की पत्नी उर्मिला पांडेय के नाम पर 86 लाख रुपये का फ्लैट खरीदा गया। उन्होंने आगे कहा, मंगल पांडेय के पिता अवधेश पांडेय ने 30 लाख अपनी बहू उर्मिला पांडेय को फ्लैट खरीदने के लिए भेजा। उससे पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने 6 अगस्त 2019 को अपने अकाउंट से 25 लाख मंगल पांडेय के पिता को भेजा था। मंगल पांडेय के पिता ने ये पैसा अपनी बहू के अकाउंट में भेजा। प्रशांत किशोर ने 2020 में मंगल पांडेय के द्वारा दिये गये हलफनामा पर सवाल उठाया। जन सुराज के सूत्रधार ने कहा कि मंगल पांडे के एफिडेविट में कोई घोषणा नहीं है कि उन्होंने लोन लिया है।

तेजस्वी ने दो वोटर आइडी मामले में चुनाव आयोग को सौंपा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दो वोटर आइडी मामले में चुनाव आयोग को लिखित जवाब सौंप दिया है। इसकी जानकारी राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने दी। उन्होंने कहा कि अब फैसला चुनाव आयोग को लेना है। अब तो दो वोटर आइडी के सैकड़ों उदाहरण सामने आ गये हैं। अब आयोग को देखना है कि कैसे दो इपिक बने। राजद नेता ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है। अहंकार और अज्ञानता चुनाव आयोग की पहचान बन गयी है। चुनाव आयोग को फैसला लेने से पहले अपने पूर्ववर्तियों को देखना चाहिए, वरना चीजें बांग्लादेश चुनाव आयोग की स्थिति जैसी दिशा में बढ़ रही हैं। बता दें इससे पहले तेजस्वी यादव द्वारा दो अगस्त को प्रेसवार्ता में दिखाये गये मतदाता पहचान पत्र की इपिक संख्या को भारत निर्वाचन आयोग ने फर्जी करार दिया है। साथ ही उन्हें 16 अगस्त की शाम पांच बजे तक उक्त मतदाता पहचान पत्र को आयोग के कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया था। दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने पत्र जारी किया था। इसमें कहा गया है कि

दो अगस्त को प्रेसवार्ता में तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा जिस इपिक कार्ड संख्या आरएबी-2916120 को दिखाया गया था, उसकी गहन छानबीन की गयी। निर्वाचन आयोग की ओर से इस इपिक संख्या से कोई मतदाता पहचान पत्र जारी नहीं किया गया है। यह फर्जी है। उनका मतदान केंद्र संख्या 204, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन के क्रमांक संख्या 416 पर है। उनकी इपिक संख्या आरएबी-0456228 से अंकित है। वर्ष 2015 और 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के समय उन्होंने नामांकन पत्र में दायर शपथ पत्र में इपिक संख्या आरएबी-0456228 को ही अंकित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के दौरान उन्होंने बीएलओ के माध्यम से जो गणना प्रपत्र समर्पित किया, उसमें भी इपिक संख्या -आरएबी-0456228 ही अंकित है। विगत कई वर्षों की मतदाता सूचियों के डाटा बेस से मिलान करने के बाद यह जानकारी मिली है कि प्रेसवार्ता में उन्होंने जिस इपिक कार्ड आरएबी-2916120 को दिखाया था, वह फर्जी था। आयोग ने उनकी इस बात को भी खारिज किया है कि निर्वाचन आयोग के ऑफिशियल वेबसाइट पर सर्च करने पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के उपरांत प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक सूची में उनका नाम दर्ज नहीं है। अब तक तेजस्वी को तीन बार नोटिस जारी हो चुके हैं।

चांडिल में दो मालगाड़ियां आपस में टकरायीं, ट्रेनों का परिचालन ठप

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। शनिवार सुबह करीब 4:15 बजे चांडिल रेलवे स्टेशन के पास पोल संख्या 375/22 के समीप बड़ा रेल हादसा हो गया। यहां आमने-सामने आ रही दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गयीं। जिससे दोनों ट्रेनों के कई डिब्बे पटरी से उतर गये और रेल पथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक दल के कुछ सदस्यों को हल्की चोटें आयीं हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, तकनीकी कारणों और सिग्नलिंग में गड़बड़ी के चलते यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद पूरे अप और डाउन लाइन पर परिचालन ठप हो गया है। पटरियों पर बिखरे डिब्बों और माल के कारण मरम्मत कार्य में लंबा समय लगने की संभावना है।

दक्षिण-पूर्व रेलवे ने जानकारी दी है कि चांडिल-टाटानगर और

चांडिल-बोकारो रूट की सभी यात्री व मालगाड़ियों का परिचालन फिलहाल रद्द कर दिया गया है। कई ट्रेनों को रद्द, डायवर्ट या शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है। यात्रियों को हेल्पडेस्क और स्टेशन घोषणाओं के जरिए जानकारी दी जा रही है। रेलवे के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और हादसे की जांच शुरू कर दी गयी है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, ट्रैक बहाली में कम से कम 24 घंटे लग सकते हैं। इस घटना के कारण सैकड़ों यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंसे हुए हैं और उन्हें वैकल्पिक साधनों से गंतव्य तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

हादसे से यातायात पर व्यापक असर

इस दुर्घटना का प्रभाव रेल यातायात पर भी व्यापक रूप से पड़ा है। कुल 10 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि करीब 20 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

शालीमार-तांबरम एक्सप्रेस, बक्सर-टाटा एक्सप्रेस, दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस, पटना-टाटा वंदे भारत एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस, टाटा-कटिहार और कटिहार-टाटा एक्सप्रेस, अमृतसर-टाटा एक्सप्रेस, पुरी-आनंद विहार एक्सप्रेस, चक्रधरपुर-गोमो मेमू, टाटा-आरा एक्सप्रेस, टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, झारग्राम-पुरुलिया मेमू, टाटा-हटिया मेमू, टाटा-आसनसोल मेमू।

कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है

भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को झारसुगुड़ा, राउरकेला और हटिया होकर भेजा जा रहा है।

बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस को टाटानगर, खड़गपुर, मिदनापुर, आद्रा होते हुए भेजा जा रहा है।

हावड़ा-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस को खड़गपुर, मिदनापुर, आद्रा और रांची होकर चलाया जा रहा है।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को भी वैकल्पिक मार्ग से भेजा गया है।

मीसा, रोहिणी और राजलक्ष्मी ने तेजप्रताप को राखी नहीं भेजी

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पार्टी और परिवार से बाहर चल रहे राजद सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उन्हें बहनों का समर्थन मिला है। उनकी चार सगी बहनों हेमा, रागिनी, चंदा और अनुष्का ने राखी भेजी, जिसका जिक्र तेज प्रताप ने एक्स हैंडल पर किया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर हेमा दीदी, रागिनी दीदी, चंदा दीदी और अनुष्का दीदी ने मुझे राखियां भेजी हैं। इसके लिए मेरी सभी दीदी को धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूं। साथ ही आप समस्त देशवासियों को भी राखी के इस पावन पर्व की ढेरों शुभकामनाएं। तेज प्रताप ने इस मौके पर वीडियो कॉल के जरिये बहनों की राखी

बांधने की बात साझा की और इसका सबूत सोशल मीडिया पर साझा किया। हालांकि गौर करने वाली बात ये है कि तेज प्रताप ने अपनी तीन बहनों मीसा भारती, रोहिणी आचार्य और राजलक्ष्मी का नाम नहीं लिया है। अब क्या वजह है, ये तो साफ नहीं है। हालांकि रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव को रक्षाबंधन पर वीडियो कॉल कर बधाई दी और फोटो भी एक्स पर पोस्ट किया है।

बता दें जब लालू यादव ने तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से बेदखल करने का आदेश किया था, तब मीसा, रोहिणी ने उनका पुरजोर समर्थन किया था। तेज प्रताप के वायरल पोस्ट और अनुष्का के साथ वाली फोटो को परिवार और पार्टी के संस्कारों के खिलाफ बताया था। कुछ दिन पहले तेज प्रताप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लालू, राबड़ी और तेजस्वी को छोड़ सभी बहनों को अनफॉलो कर दिया था।

एक दूसरी पोस्ट में तेज प्रताप यादव ने अपनी मौसेरी बहन डॉ पिंकी कुमारी का जिक्र किया, जिन्होंने खुद उन्हें राखी बांधी। उन्होंने लिखा कि डॉ पिंकी दीदी ने मुझे राखी बांधी, इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। फिलहाल तेज प्रताप की रक्षाबंधन पर पोस्ट को लेकर भी कई तरह की चर्चा शुरू हो गयी है। बता दें तेज प्रताप ने हाल ही में पांच दलों के साथ गठबंधन किया है। वह वैशाली की महुआ सीट से चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.1 °c	21.9 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.26 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.22 बजे

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव की खेती-किसानी का लिया जायजा

गांव के विकास से ही समृद्ध होगा देश और प्रदेश: हेमंत

- किसानों -खेतिहरों से मिल कर कर उनकी दिक्कतों एवं जरूरतों को समझने की कोशिश
- मुख्यमंत्री ग्रामीणों से मिले, बचपन की यादें ताजा कीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/गोला। हरे-भरे खेत, पेड़ों की लहराती टहनियां, नीले आसमान के नीचे फैली हरियाली और मिट्टी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पैतृक गांव नेमरा। गांव की पगडंडियों पर चलते हुए मुख्यमंत्री ने न केवल धान रोपनी में लगे किसानों-महिलाओं के साथ बातचीत की, बल्कि प्रकृति के इस अद्भुत सौंदर्य को निहारते हुए बचपन की यादें भी ताजा कीं। उन्होंने नेमरा के बरमसिया और बड़का नदी दोईन में किसानों से बात-चीत करते हुए कहा कि स्थानीय तौर पर बारिश के पानी का खेती के लिए इस्तेमाल किये जाने के बहुत फायदे हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि छोटी बरसाती नदी के पानी को चेक डैम के जरिए खेतों तक पहुंचाने की सरकार की योजना का लाभ लें। स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर अपनी खेती की बेहतरी से अपनी आमदनी बढ़ाने का प्रयास करें।

सरकार आपके साथ खड़ी है, आपकी मदद के लिए तत्पर है : सरकार आपके साथ खड़ी है, आपकी मदद के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के ऐसे नजारों को देखने के लिए लोग दूर-दूर देशों तक घूमने जाते हैं। अपने झारखंड के गांवों में तमाम ऐसे दृश्य प्रकृति ने बिखेर रखा है। हम सबों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सजग रहने की जरूरत है। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किसानों से लंबी बातचीत की। उन्होंने खेती-बाड़ी की मौजूदा स्थिति, बारिश के हालात, खाद और बीज की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। किसानों ने भी खुले मन से अपनी समस्याएं और सुझाव रखे।

गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाएं : ग्रामीणों के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही है। हमारी सरकार किसानों के हित में हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार गांव के विकास, सड़क, सिंचाई और शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है। इस दौरान नेमरा के रविदास सोरेन, बिरजू सोरेन, दिलका सोरेन, विश्वनाथ बेसरा और परमेश्वर सोरेन मुख्यमंत्री के साथ थे।

मुख्यमंत्री ने पांचवें दिन के श्राद्ध कर्म की रस्में पूरी की

सुबह-शाम दतवन, चावल और चाय दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/गोला। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पारंपरिक श्राद्ध कर्म के पांचवें दिन स्थानीय मान्यताओं के अनुरूप राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने परिजनों के साथ परंपरागत रस्म निभाते हुए सुबह-शाम दतवन, चावल एवं चाय दिया। इस दौरान सीएम नंगे पांव पैदल हाथों में सखुवा के पत्ता में रखे गये दतवन, चावल को लेकर घर के बगल करीब पांच सौ मीटर दुरी पहुंचे। यहां उन्होंने मान्यताओं के अनुरूप रस्म अदा की। नेमरा समेत आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को दिनभर रुक-रुक कर वारिस होती रही। श्राद्ध कार्यक्रम के पांचवें दिन मुख्यमंत्री से मिलने के लिए दिन भर लोगों का आना-जाना लगा रहा। मुख्यमंत्री ने किसी को निराश नहीं किया। गांव पहुंचे लोगों से मिलकर उन्होंने हाल-चाल जाना। इधर श्राद्ध कार्यक्रम को लेकर नेमरा गांव में तैयारी जोरों से चल रही है। दशकर्मा कार्यक्रम को लेकर विशाल पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। आने जाने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो इसके लिए रामगढ़ उपायुक्त कमान संभाल लिये हैं। इधर सड़कों को दुरुस्त करने के लिए गोला नेमरा तक सड़कों का मरम्मती का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। शनिवार को दिनभर सड़कों पर काम चला रहा। बताया गया कि दशकर्मा कार्यक्रम से पहले सड़कों को दुरुस्त कर दिया जायेगा।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे गिरफ्तारी देने पहुंचे थाना, पुलिस ने किया इनकार

बाबा वैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने का मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेले के दौरान वीआइपी, वीवीआइपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पर रोक के बाद भी भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी व अन्य के बैद्यनाथ मंदिर में प्रवेश के मामले में दर्ज एफआइआर का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। उक्त केस में गिरफ्तारी देने शनिवार को गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे दिल्ली से देवघर पहुंचे और सीधे बाबा मंदिर थाने में गिरफ्तारी देने गये, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया।

निशिकांत ने बाबा मंदिर थाने में थानेदार शिव नारायण कामत से मुलाकात की और कहा कि उक्त केस में गिरफ्तारी देने का आया हूं। लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि बाबा मंदिर प्रकरण में सीधी गिरफ्तारी नहीं हो सकती है। इस मामले में तीन बार नोटिस दिये जाने के बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई का प्रावधान है। थाना प्रभारी ने सांसद को बताया कि शनिवार होने की वजह से अदालत बंद है। अदालत में अभी तक एफआइआर की कॉपी भी नहीं पहुंची है। करीब आधे घंटे तक थाने में रहने के बाद सांसद थाने से वापस चले गये।

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रशासन जब भी उन्हें बुलायेगा, वे प्रशासन के समक्ष उपस्थित रहेंगे। क्योंकि वे भगोड़ा नहीं हैं। वे कानून बनाते हैं और कानून का सम्मान करना उनका धर्म है। वे अपने धर्म का पालन करने से कभी पीछे नहीं हटेंगे।

निशिकांत ने कहा कि मैं भी देवघर का तीर्थ पुरोहित हूं। मेरा जन्म देवघर में हुआ है। गवाली पूजा में सात साल से मैं चंदा दाता हूं और तीर्थ पुरोहित वो होता है, जो गवाली पूजा में चंदा देता है। किसी के कहने मात्र से कैसे एफआइआर हो सकती है। जिन पुलिसकर्मियों को मैंने मंदिर के निकास द्वार पर कथित रूप धक्का दिया, उन पुलिसवालों द्वारा एफआइआर करायी गयी होती तो बात समझ में आती है। ड्यूटी पर तैनात मजिस्ट्रेट केस करते तो बात समझ में आती। लेकिन एक अवैध आदमी (केस के सूचक कार्तिक नाथ ठाकुर) जो न पंडा हैं, वो कैसे केस कर सकते हैं। अगर कार्तिकनाथ ठाकुर तीर्थ पुरोहित हैं तो मैं भी तीर्थ पुरोहित हूं। देवघर में पंडा कान्यकुब्ज ब्राह्मण भी हैं, जिस जाति से मैं आता हूं, वे भी यहां पंडा हैं। पंडा यहां वो होता है, जो गवाली पूजा में चंदा देता है। सात साल से मैं यहां गवाली पूजा देता आ रहा हूं और पंडा धर्मरक्षिणी सभा का सदस्य हूं। ऐसे में कैसे किसी पर एफआइआर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि वे सांसद हैं और धारा 105 के तहत उन्होंने संसद में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), मुख्य सचिव, देवघर के उपायुक्त (डीसी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ सवाल उठाये हैं। इसकी सुनवाई सदन में सोमवार को कार्यवाही के दौरान होगी। अब इन सभी अधिकारियों से दिल्ली में ही सवाल पूछे जायेंगे।

कल कृषि मंत्री का जनता दरबार

रांची (आजाद सिपाही)। आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस की ओर से लगाये जा रहे जनता दरबार की अगली कड़ी में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की 11 अगस्त की सुबह 11 बजे से कांग्रेस भवन में लोगों की समस्याओं को सुनेंगी। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने शनिवार को बताया कि जनता दरबार जनता से सीधे जुड़ाव का सिर्फ एक माध्यम ही नहीं बल्कि आम लोगों के दरवाजे पर पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास है।

बाबूलाल मरांडी का आरोप : असम के मुख्यमंत्री को फंसाने की रची गयी थी साजिश, जल्द करेंगे खुलासा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने राज्य के एक सीनियर पुलिस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। मरांडी ने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान झारखंड के एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को षड्यंत्रपूर्वक फंसाने की कोशिश की थी। मरांडी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर आरोप लगाया कि उस अधिकारी ने किसी को दो बार पैसे देकर दिल्ली और गुवाहाटी भेजा ताकि सरमा को झूठे मामलों में फंसाया जा सके। उन्होंने लिखा कि इस साजिश का प्रमाणों के साथ बहुत जल्द खुलासा किया जायेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्पष्ट जवाब देने की मांग करते हुए कहा कि ऐसे षड्यंत्रकारी अफसरों पर विश्वास करना आपके लिए भी घातक हो सकता है।

अगस्त क्रांति ने स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी : केशव महतो कमलेश

कांग्रेस भवन में विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अगस्त क्रांति दिवस एवं विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश मुख्यालय कांग्रेस भवन में किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने अगस्त क्रांति दिवस का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका पर प्रकाश डाला। स्वतंत्रता आंदोलन के विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। साथ ही आदिवासी समुदाय को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं भी दी गयीं।

प्रदेश अध्यक्ष कमलेश ने कहा कि करो या मरो का नारा आज ही के दिन दिया गया था, जिसने लोगों में ऊर्जा का संचार करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी। एक नया रास्ता दिखाने का काम किया था, उसके बाद आंदोलन ने जोर पकड़ा। स्वतंत्रता आंदोलन की वेदी ने हमारे कई महान विभूतियों की बलि ली। देश की आजादी में उनके योगदान की तुलना कभी नहीं की जा सकती।

आदिवासी समाज आज एक जागरूक समाज है: विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में आदिवासी समुदाय अपने हक अधिकार अस्मिता और पहचान अपनी परंपरा और संस्कृति को बचाने के लिए जो लड़ाई लड़ रहा है वह स्वागत योग्य है।

आदिवासी समाज आज एक जागरूक समाज है। सामाजिक परिवेश में आज उनकी अहम भूमिका है। समाज में आदिवासी समुदाय की भूमिका को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1994 में समुदाय को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ रहने और उसकी सुरक्षा के लिए विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा की थी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनादी ब्रह्म राकेश सिन्हा, विनय सिन्हा दीपू, सोनाल शांति, अभिलाष साहू, गजेंद्र सिंह, जगदीश साहू राजन वर्मा, राज वर्मा, अइनुल हक अंसारी, चंद्र रश्मि पिंगुआ, सलीम खान, संजय कुमार, खालिद सैफुल्लाह, रजी अहमद, शाहिद सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

आजादी में भारत छोड़ो आंदोलन की अहम भूमिका : सुबोधकांत

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन ने आजादी में मिल के पत्थर की भूमिका अदा की। जिसका परिणाम अंग्रेजी हुकूमत की हार और भारत की आजादी के रूप में सामने आया। आदिवासी समुदाय को बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर झारखंड के निर्माण तक आदिवासी समुदाय ने अपनी भूमिका पुरजोर तरीके से अदा की थी। आज यह समाज एकजुट है और इसमें कई नेतृत्वकर्ता हैं जो समाज में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

सादगी के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस है, जिसे हर साल धूम-धाम और भव्यता के साथ मनाया जाता है। रांची में भी इस दिन को खास तरीके से मनाया जाता है, लेकिन दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद इस वर्ष यह दिवस सादगी के साथ मनाया गया। सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल पर आदिवासी संगठनों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्व आदिवासी दिवस मनाया।

इसके बाद आदिवासी संगठनों ने केंद्रीय सरना स्थल से अल्बर्ट एक्का चौक तक एक जुलूस निकाला, जिसमें सैकड़ों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

यह जुलूस तीर-धनुष, मंदर और हाथों में बैनर लेकर बड़ी ही सादगी से निकाला गया। जुलूस में शामिल लोग पोस्टर भी लिए हुए थे, जिनमें नारे लिखे थे, जैसे 'निकलो घर मकानों से, जंग लड़ो बेइमानों से'। यह दिन आदिवासी समाज के लिए विशेष महत्व रखता है और यह उनका संघर्ष और पहचान का प्रतीक है।

शिबू सोरेन के सम्मान में सादगी से मनाया आदिवासी दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय सरना समिति ने इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस को दिशुम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में सादगी से मनाया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों का सपना आज अधूरा है। सीएनटी और एसपीटी एक्ट होने के बावजूद आदिवासियों की जमीन की लूट जारी है। खनिज संपदा के बावजूद समाज पिछड़ा है और पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था खतरे में है। इससे पहले समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में शनिवार सुबह भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल में 151 मिट्टी के दीप जलाये गये। प्रतिमा पर माल्यार्पण कर झारखंड के वीर शहीदों को नमन किया गया। बबलू मुंडा ने कहा कि हर वर्ष यह दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार गुरुजी के निधन के कारण इसे संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्य पहान जगलाल पहान ने जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया और वीर शहीदों के पदचिन्हों पर चलने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति महादेव टोप्पो, झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा, सुरेंद्र लिंडा, संजय नायक, मुकेश मुंडा, आशीष मुंडा, विशाल मुंडा, संतोष मुंडा, महादेव मुंडा, राकेश मुंडा, मनिष मुंडा, सोनू मुंडा, अंजन मुंडा, रिसव मुंडा, अनुकल मुंडा, युवराज मुंडा, नरेश मुंडा, शंभू टोप्पो, माइकल टोप्पो सहित बड़ी संख्या में समुदाय के लोग मौजूद थे।

संत जेवियर कॉलेज में विश्व आदिवासी दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुरूलिया रोड स्थित संत जेवियर कॉलेज में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कॉलेज परिसर आदिवासी संस्कृति, गीत-संगीत और पारंपरिक वेशभूषा की झलक से सराबोर हो गया। इस कार्यक्रम में मुंडारी, कुडुख, खडिया, संथाली और हो नृत्य प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में दिशोम गुरू शिबू सोरेन को श्रद्धाजंली अर्पित की गई।

केंद्रीय सरना समिति के संतोष ने बताया कि आदिवासी समाज में 12 प्रकार के नृत्य और 13 प्रकार के गीत पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। हम शोक में नाच नहीं सकते, लेकिन 13वें प्रकार का गीत गाकर अपनी संस्कृति को जीवित रखते सकते हैं।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक आदिवासी परिधान धारण किए। महिलाओं के सिर पर सफेद गजरा और गुलाब के फूल, पैरों में पायल, हाथों में अशोक की डालियों चमक धमक रहे थे। युवा मांदर की थाप पर खोड़हा मंडली को नचा रहे थे। संत अन्ना की एक छात्रा ने खड़िया भाषा में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मांदर की ताल पर छात्राएं कभी बैठकर, तो कभी खड़े होकर नृत्य करती दिखी। हर गीत के साथ छह से सात अलग-अलग लोक नृत्य का रिमिग्स गीत सामने आए। स्टेज पर प्रत्येक खोड़हा समूह ने अपने अंदाज में नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे माहौल और भी रंगीन हो गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों और अतिथियों ने एक साथ सामूहिक नृत्य कर एकता और सांस्कृतिक गर्व का संदेश दिया। मनरेसा के युवाओं ने उरांव नृत्य प्रस्तुत किया। समाज के युवाओं ने आदिवासी समाज की संस्कृति ने धर्म को संरक्षण को प्रस्तुत किया गया।

आदिवासी पदयात्रा से लुप्त हो रही जनजातीय समुदाय पर प्रस्तुति

संत जेवियर कॉलेज की पाचवें सेमस्टर की छात्राओं ने राज्य से धीरे-धीरे लुप्त हो रही जनजातीय समुदाय पर आदिवासी पदयात्रा प्रस्तुत की। इसमें दस आदिवासी समुदाय को दिखाया गया। इसमें सोरिया जनजाति, बिरहोर समेत अन्य शामिल भाषाओं के साथ जनजातीय पर प्रस्तति की गयी।

नामकुम में दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण को लेकर भूमि पूजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। जय माता दी क्लब नामकुम रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति की ओर से नामकुम खटाल स्थित यशराज धर्मकांटा के समीप दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन हुआ। अध्यक्ष विनोद सिंह और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में पुरोहित ने अनुष्ठान किया। भूमि पूजन के दौरान अध्यक्ष विनोद सिंह, राजू सिंह, दीपक सिंह, राहुल सिंह, राकेश वर्मा, ब्रजेश शर्मा, महेंद्र कुमार मौजूद रहे।

सीआरपीएफ जवानों को राखी बांधी

पिस्कानगड़ी (आजाद सिरपाही)। नगड़ी सहित पूरे प्रखंड क्षेत्र में रक्षा बंधन का पर्व शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों को मिठाई खिलाकर कर उनकी कलाइ में राखी बांधी। इधर,पर विश्व हिंदु परिषद, दुर्गा वाहिनी रांची महानगर की ओर से नगड़ी के सैंबो स्थित सीआरपीएफ कैंप में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ 2025 के साथ शुरू हुआ शैक्षणिक सत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत दीक्षारंभ 2025 के साथ की गयी। इस अवसर पर विवि में नये विद्यार्थियों का स्वागत करते हुये कुलसचिव प्रो एसबी डांडिन ने उन्हें जिज्ञासा और ग्रुप डिस्कशन की उपयोगिता बताते हुये ज्ञानार्जन पर जोर दिया। विवि के कुलपति प्रो सी जगनाथन ने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, कठिन परिश्रम और ईमानदारी की महत्ता बतायी। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक और ज्ञान के समन्वय से पढ़ाई करने की अपील की। महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण पर जोर देते हुये वित्तीय अनुशासन का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने सरला बिरला विश्वविद्यालय के साथ दुनिया के शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों के बीच हुये एमओयू का भी जिक्र किया। इस अवसर पर डॉ आरएम झा, सुभोजित मंत्री, अजय कुमार, कोमल गुप्ता ने अपने-अपने विभागों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डीन हरिबाबू शुक्ला ने विवि के प्लेसमेंट पर प्रकाश डाला। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन राहुल वत्स ने विवि के परीक्षा पैटर्न और सीएस महथा ने विवि के विभिन्न क्लब की जानकारी दी। करन प्रताप ने डीएसडब्ल्यू और डॉ. पीके होता ने विवि के पुस्तकालय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर एसबीयू के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी मौजूद रहे। एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विवि में दाखिला लेनेवाले नये विद्यार्थियों को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति

पंडाल निर्माण कार्य शुरू करने के लिए खूंटी पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति, मोरहाबादी रांची ने दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए खूंटी पूजा किया। यह पूजा दुर्गा पंडित द्वारा शनिवार को संपन्न करायी गयी। समिति के सदस्य दुर्गा पूजा के लिए उत्साहित हैं और पंडाल निर्माण कार्य में जुट गये हैं। इस पूजा में सभी सदस्यगण सम्मिलित होकर पूजा कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूजा में मनोज कुमार गुप्ता, विनोद गोप, संजय सोनी, विजय शर्मा, मिलन दास, बसंत सिंह, मंटू मेहता, राजू पांडे, रतन पॉल, शशि शंकर, राजेश मुंडा, पंकज शर्मा, पुष्पा झा, सीमा मिश्रा और अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

श्रावण पूर्णिमा पर श्रीराधा-कृष्ण मंदिर पुंदाग में भक्ति का अनुपम संगम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री राधा कृष्ण मंदिर पुंदाग में श्रावण पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत वातावरण में गूंज उठा, जहां भक्तों की बड़ी संख्या ने भाग लेकर धार्मिक उल्लास में सहभागिता निभायी। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, श्रृंगार, भजन-कीर्तन तथा प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। पुजारी अरविंद पांडेय ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्री राधा कृष्ण की पूजा संपन्न करायी। इसके पश्चात भव्य श्रृंगार कर भगवान का अलौकिक रूप दर्शनार्थ प्रस्तुत किया गया, जिसे देख कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि समाज में सद्भाव, सेवा और अध्यात्म का संदेश फैलाना है। श्रावण पूर्णिमा के इस पावन अवसर ने सभी श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति और प्रेम की नयी ऊर्जा का संचार किया।

इस अवसर पर-डूंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र अग्रवाल, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विष्णु सोनी, मधु जाजोदिया, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, सुरेश अग्रवाल, मनीष सोनी, अरविंद अग्रवाल और पवन पोद्दार आदि उपस्थित थे।

मेन रोड में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव के लिए हुआ भूमि पूजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा-भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

मुकेश काबरा ने बताया आयोजन स्थल पर नाट्य और झांकी प्रतियोगिता मंच को बनाने के पूर्व भूमि पूजन का कार्यक्रम समिति के आचार्य की उपस्थिति में समिति के पदाधिकारियों के साथ संपन्न हुआ। इसके पूर्व आयोजन स्थल पर दही हांडी के प्रारूप को भी सजावट के साथ टांगा गया।

उन्होंने बताया कि 16 अगस्त को दोपहर तीन बजे से (5 वर्ष से 12 वर्ष तक के छोटे बच्चों के लिए) बाल गोपाल प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। वहीं, 17 अगस्त को संध्या चार बजे दही हांडी-फोड़ो प्रतियोगिता सह भजन संध्या सहित नृत्य नाट्य मंचन का आयोजन होगा। मुकेश काबरा ने समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्यों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। समिति के मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत और संजय पोद्दार ने गोबिंदाओं की टीम और बाल गोपाल झांकी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागिओं को 15 अगस्त के पूर्व मेन रोड, केडिया साईकिल और चुटिया के सतीश सिन्हा से फॉर्म लेकर रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह किया है।

कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची

कश्मीर घाटी में मालगाड़ी का आगमन लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नये युग का सूचक

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आयेगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नये युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दर्शाता है। इस ट्रेन में परिवहन किये जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जायेगा। इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गयी। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (जीएसीएल) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक वैग-9 लोकोमोटिव (लोको संख्या 32177, टीकेडी, ट्रिप 08/09) द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दर्शाता है। इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

आस्था के अधिकार पर भी हो रही है राजनीति : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने देवघर के बाबा वैद्यनाथ मंदिर और सांसद निशिकांत दुबे प्रकरण में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राज्य सरकार पर आस्था पर भी राजनीति करने का आरोप लगाया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि गोड्डा सांसद नीशिकांत दुबे शनिवार को बाबा वैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धक्का-मुक्की समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज होने के बाद अपनी गिरफ्तारी देने थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने से ही मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ तो मंदिर में पूजा करने पर भी केस दर्ज किया गया। सोचिए, आस्था के अधिकार पर भी राजनीति हो रही है।

बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि यह साफ दिखता है कि मामला पूरी तरह राजनीतिक था। केवल सांसद निशिकांत दुबे और सांसद मनोज तिवारी को परेशान करने के लिए ही ऐसा किया गया। भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और यहां तक कि परिवारवालों को भी डराने, दबाने और बदनाम करने के लिए लगातार नये केस गढ़ना और पुलिसिया कार्रवाई करना राज्य सरकार का पैटर्न है। लेकिन सच को दबाना नामुमकिन है। भाजपा के लोग सरकार प्रायोजित ऐसे दमनात्मक कार्रवाइयों से डरने वाले नहीं हैं।

केवल सुर्खियों में रहना चाहते हैं बाबूलाल : डॉ तनुज खत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य डॉ तनुज खत्री ने कहा कि बाबूलाल मरांडी जी अक्सर सनसनीखेज और भ्रामक बयान देकर केवल सुर्खियों में बने रहने की कोशिश करते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि बाबूलाल मरांडी के पास किसी भी विषय पर ठोस एवं प्रमाणिक जानकारी है, तो उन्हें चाहिए कि वह यह प्रमाण पूरी जिम्मेदारी और संवैधानिक दायरे में रहते हुए सरकार या संबंधित जांच एजेंसियों को सौंपें। डॉ खत्री ने कहा, लोकतंत्र में आलोचना और सवाल उठाना पूरी तरह से जायज है, लेकिन बिना किसी पुष्टि और तथ्यात्मक आधार के गंभीर आरोप लगाना न केवल जनता को भ्रमित करता है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को भी चोट पहुंचाता है। इस प्रकार के बयानों से राजनीतिक माहौल बिगड़ता है और जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकता है। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड जैसे संवेदनशील राज्य में इस तरह के बयानों को ड्रामा की तरह पेश करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राजनीतिक जीवन में ज़िम्मेदारी और पारदर्शिता सर्वोपरि होनी चाहिए। जनता उम्मीद करती है कि उसके नेता तथ्यों और सच्चाई के आधार पर ही बोलें, न कि केवल राजनीतिक लाभ के लिए सनसनी फैलाएं। अंत में डॉ खत्री ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा लोकतांत्रिक मूल्यों, जनहित और विकास के लिए प्रतिबद्ध है और राजनीतिक संवाद को स्वस्थ और तथ्यपरक बनाये रखने का आह्वान करता है।

महत्वपूर्ण खबरें

झारखंड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन ने मनाया बोन एंड ज्वाइंट वीक

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (जेओए) ने हाल ही में बुजुर्गों की 360-डिग्री देखभाल थीम पर आधारित बोन एंड ज्वाइंट वीक मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ती उम्र के लोगों को होने वाली विशेष ऑर्थोपेडिक चुनौतियों का समाधान करना था। कार्यक्रम के दौरान, राज्य के प्रमुख ऑर्थोपेडिक डॉक्टरों द्वारा संचालित नि:शुल्क क्लिनिक और जागरूकता अभियान आयोजित किये गये। इन क्लीनिकों में उम्र से संबंधित आम बीमारियों की रोकथाम और उनके प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम, फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने के लिए गिरने से बचाव, और गतिशीलता व जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए व्यायाम और जीवनशैली में बदलाव के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। झारखंड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन राज्य भर के अस्पतालों और क्लीनिकों को समर्पित ऑर्थोपेडिक बुजुर्ग क्लीनिक स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने की योजना बना रहा है, ताकि आबादी के इस बढ़ते हुए वर्ग को विशेष और निरंतर देखभाल प्रदान की जा सके।इसे सफल बनाने में जेओए के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. गोविंद गुप्ता, सचिव डॉ. सांकृत्यायन, उपाध्यक्ष डॉ. रोहित लाल, अध्यक्ष-निर्वाचित डॉ. नितेश प्रिया और कोषाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन का महत्वपूर्ण भूमिका रहा।

विश्व आदिवासी दिवस पर बांधगाड़ी सरना पूजा समिति ने विशाल जुलूस निकाला

रांची (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रांची के बांधगाड़ी सरना पूजा समिति ने एक विशाल जुलूस निकाला। इस जुलूस में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए और पारंपरिक वेशभूषा में मांदर, ढोल, नगाड़े जैसे वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य-संगीत का आयोजन किया। समिति के आनंद खलखो ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समुदाय के अधिकारों और उनकी संस्कृति को संरक्षित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य आदिवासी समुदाय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। जुलूस में मिथिलेश खलखो, बीना कुजूर, सुभानी तिग्गा, चंद्रो खलखो, रामकुमार पाहन, बंधु खलखो, जवानी उरांव, राजकुमारी उरांव, मंजू तिग्गा, सबिता खलखो, ललिता खलखो सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद थे।

बिरला हनुमान मंदिर में प्रसाद का वितरण

रांची (आजाद सिपाही)। श्रवण पूर्णिमा के अवसर पर बिरला हनुमान मंदिर रानी बागन में भव्य खिचड़ी और अन्य मिठाइयों का वितरण आम जनता के बीच किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के मुख्य संरक्षक दयानंद प्रसाद सिंह और सामाजिक कार्यकर्ता की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम में भारी संख्या में महिलाएं, बच्चे और पुरुष उपस्थित थे। मंदिर में हनुमान जी, मां दुर्गे, भोले बाबा, राम दरबार और कृष्ण दरबार के सामने आयोजन हुआ और नृत्य-गान किया गया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी सच्चिदानंद पांडेय, आशुतोष अजय मिश्रा, गणेश कुमार, संजू देवी, मुन्ना राय, उदय भानु सिंह, खगेश महतो, ज्योति कुमारी, मोहम्मद मोहसिन, प्रदीप भारद्वाज आदि उपस्थित हुए। सभी ने मिलकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाया। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व का था, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक था। मंदिर के संरक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता ने इस आयोजन के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करने का प्रयास किया।

सदर अस्पताल में दो जटिल ब्रेन और स्पाइन ट्यूमर की सफल सर्जरी

रांची (आजाद सिपाही)। सदर अस्पताल, रांची के न्यूरोसर्जरी विभाग में दो जटिल ट्यूमर सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ अशोक मुंडा ने 61 वर्षीय मरीज के मस्तिष्क के फ्रांटल क्षेत्र में स्थित ट्यूमर का सफल इलाज किया। वहीं, कांके निवासी 36 वर्षीय युवक की रीढ़ की हड्डी (डी12-11) में मौजूद ट्यूमर को भी सफलतापूर्वक निकाला गया। इन दोनों जटिल सर्जरी में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ चंदन झा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नर्सिंग स्टाफ की ओर से सिस्टर इंचार्ज नीली और स्नेहलता ने सहायक भूमिका निभाई। इसके अलावा सहयोगी स्वास्थ्यकर्मियों में मुकेश, वसीम अकरम, समीर अंसारी, संजू, अमित, पूनम कुजूर और पूनम इंदेवार का योगदान सराहनीय रहा। सर्जरी की सफलता पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार और उपाधीक्षक डॉ विमलेश सिंह ने चिकित्सा टीम को बधाई दी है। उन्होंने भविष्य में भी सभी प्रकार के आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया। यह उपलब्धि सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

स्व. हरिनारायण सिंह को समाजसेवी, पत्रकार समेत कई लोगों ने दी श्रद्धांजलि

शनिवार को वरिष्ठ पत्रकार और आजाद सिपाही के प्रधान संपादक स्व. हरिनारायण सिंह के आवास पर समाजसेवी ललित ओझा, संजय जायसवाल, समेत वरिष्ठ पत्रकार शंभुनाथ चौधरी, अरविंद पांडेय, पंडित रामदेव पांडेय और अनुराग ठाकुर ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। सभी ने इस दुख की घड़ी में परिजनों को ढांढ़स बंधाया।

जमशेदपुर में अत्याधुनिक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल निर्माण की प्रक्रिया शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। औद्योगिक नगरी जमशेदपुर को आधुनिक परिवहन सुविधा देने की दिशा में राज्य सरकार ने अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सुगम और आरामदायक परिवहन के संकल्प के तहत मानगो डिमना चौक के पास 13 एकड़ जमीन पर यह डिपो तैयार होगा।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने परियोजना को हेम (हाइब्रिड एन्युइटी मोड) पर बनाने की सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है और प्रस्ताव को प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार को उच्च गुणवत्ता युक्त आईएसबीटी निर्माण का निर्देश दिया गया है। इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जुडको को दी गयी है। कर्नाटक की आइडेक एजेंसी ने परियोजना का खाका तैयार किया है, जिसकी लागत 145.24 करोड़ रुपये होगी। टर्मिनल भवन पांच मंजिला (दो बेसमेंट, ग्राउंड प्लस तीन मंजिल) होगा, जबकि वाणिज्यिक भवन एक बेसमेंट, ग्राउंड और तीन मंजिल का होगा। परिसर में 50 आदर्श पार्किंग, 23 एलिगेटिंग बस वे, 300 कार और 350 बाइक पार्किंग, जल संसाधन विभाग का कार्यालय एवं गोदाम, एसटीपी, डब्ल्यूटीपी, ईटीपी और आंतरिक-सड़क व्यवस्था होगी। फर्स्ट फ्लोर पर 80 सीटों वाला एसी वेटिंग हॉल, 120 बेड का यात्री डोरमेट्री, 60 बेड का चालक डोरमेट्री, फूड कोर्ट, शॉप्स, सुरक्षा कार्यालय, ट्रेवल एडमिन ऑफिस और शौचालय होंगे। ग्राउंड फ्लोर पर 23 बस वे, 18 टिकट काउंटर, क्लॉक रूम, लॉजिस्टिक सेंटर, रेस्टोरेंट, पब्लिक शौचालय और फूड कोर्ट की सुविधा रहेगी। परिसर को झारखंडी कला और पेंटिंग्स से भी सजाया जायेगा।

झारखंड में संस्कृत भाषा के साथ सौतेला व्यवहार : धर्मेंद्र तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने झारखंड में संस्कृत भाषा के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राज्य में संस्कृत विद्यालयों और शिक्षकों की घोर कमी है, जिससे संस्कृत भाषा के विद्यार्थियों को उचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि झारखंड में मात्र तीन अंगीभूत डिग्री संस्कृत कॉलेज हैं, जिनमें से किशोरगंज स्थित संस्कृत स्कूल 100 वर्ष पुरानी है, लेकिन इसकी हालत अत्यंत दयनीय है। इस विद्यालय में उप शास्त्री (इंटर) में नामांकन बंद है और संस्कृत की पढ़ाई भी बंद है। साथ ही विद्यालय के परिसर में अवैध कब्जा और अतिक्रमण हो रहा है। धर्मेंद्र तिवारी ने राज्य सरकार से मांग की है कि संस्कृत भाषा के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में सरकारी संस्कृत विद्यालय एवं विश्वविद्यालय खोले जाएं, अनुपातिक संख्या में संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति की जाए और प्रखंड स्तर पर संस्कृत विद्यालयों की स्थापना की जाये। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि संस्कृत भाषा विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है और इसकी जननी भारत देश है। संस्कृत भाषा को देव भाषा की गरिमा से संबोधित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार संस्कृत भाषा के प्रति गंभीर नहीं होती है, तो यह भाषा मृतप्राय हो जाएगी, जिससे सनातन संस्कृति को मानने वालों को ग्लानि महसूस होगी।

नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद

चतरा (आजाद सिपाही)। पुलिस ने लावालौंग के जंगल से नक्सली संगठन टीपीएससी के एक नक्सली कमांडर जमादार गंझू उर्फ पहाड़ी गंझू को तीन देशी राइफल, एक देशी कट्टा, 92 राउंड जिंदा कारतूस, नक्सली पोस्टर, मोबाइल, वर्दी और पिट्ठू बैग के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिली कि जमादार गंझू उर्फ पहाड़ी गंझू लावालौंग खामडीह गांव के समीप के जंगल में अवैध हथियार के साथ घूम रहा है और टीएसपीसी संगठन के नाम पर लेवी वसूली का काम कर रहा है। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जंगल से पहाड़ी गंझू को गिरफ्तार किया गया।

10वीं और 12वीं में फेल छात्रों के लिए फिर पास होने का मौका

रांची (आजाद सिपाही)। अगर आप किसी कारणवश जैक बोर्ड की मैट्रिक या इंटरमीडिएट परीक्षा में असफल हो गये हैं, तो आप सप्लीमेंट्री परीक्षा में शामिल होने के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने दोनों सप्लीमेंट्री परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जैक द्वारा निर्धारित सप्लीमेंट्री परीक्षा के अनुसार, मैट्रिक परीक्षा 23 अगस्त से 29 अगस्त तक आयोजित की जायेगी, जबकि इंटरमीडिएट सप्लीमेंट्री परीक्षा 23 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। दोनों परीक्षाएं पहली पाली में सुबह 9:45 से दोपहर 1 बजे तक, जबकि दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जायेंगी। सप्लीमेंट्री परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जैक की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। छात्र 18 अगस्त से जैक की वेबसाइट के माध्यम से सप्लीमेंट्री परीक्षा की तिथियां डाउनलोड कर सकते हैं। इस वर्ष झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित की जाने वाली सप्लीमेंट्री परीक्षा में मैट्रिक और इंटरमीडिएट दोनों मिलाकर लगभग 25 हजार छात्र भाग लेंगे। जैक अध्यक्ष नटवा हांसदा के अनुसार, सप्लीमेंट्री परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। लिखित परीक्षा के बाद, दोनों परीक्षाओं के लिए 2 सितंबर से 8 सितंबर तक प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित की जायेगी, जिसका संचालन संबंधित विद्यालयों द्वारा किया जायेगा। जैक ने सभी विद्यालय के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि वे प्रैक्टिकल परीक्षा के अंक 3 सितंबर से 9 सितंबर के बीच जैक की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन अवश्य भेजें और उसकी एक प्रति 12 सितंबर तक जैक कार्यालय में जमा करें।

रातू में विश्व आदिवासी दिवस पर निकाला विशाल जुलूस

शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। प्रखंड में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। पारंपरिक वेश -भूषा व ढोल - नगाड़े के साथ हजारों युवक-युवतियों ने रातू के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल मार्च निकाला। दिन के 2 बजे रातू किला मैदान में सभा आयोजित कर हजारों की संख्या में युवक-युवतियां नृत्य करते हुए तिलता चौक पहुंचे। वहां सभा का आयोजन किया गया। सभा में आदिवासी रीति रिवाज व पहचान को बचाये रखने की शपथ ली गयी। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज एकजुट हों और विकास से जुड़ें। हमारा संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाज और संस्कार ही हम आदिवासियों की पहचान है। आज हमारा आदिवासी समाज अपने मूल संस्कृति रीति रिवाज और मूल स्वभाव से दूर होता जा रहा है। हमें अपने समाज को इस समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए संकल्प लेने की जरूरत है। सभा के उपरांत दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की इसके अलावा बाबा कार्तिक उरांव की प्रतिमा - आदिवासी बाल विकास उच्च विद्यालय परिसर में बाबा कार्तिक उरांव, झखराटाड़ में भगवान विरसा मुंडा,होचर में सरना रत्न वीरेंद्र भगत, बिरसा आश्रय स्कूल कमड़े में भगवान विरसा मुंडा, दलादिली में सुभाष मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा का संकल्प दिवस है। उन्होंने संकल्प लिया कि रातू की धरती से आदिवासी एकता की नयी अलख जगायी जायेगी और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, सरना समिति के अध्यक्ष व पूर्व जीप सदस्य अमर उरांव, रातू प्रखंड एसीएस अध्यक्ष रोशन उरांव मुकेश भगत, छात्र संघ के रोशन उरांव, अमित तिग्गा, अनुज तिर्की, पारस उरांव, अरविंद टोप्पो अदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव, प्रमुख संगीता तिर्की, भाजपा नेता कृष्णा उरांव, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि सह सदस्य, विमल उरांव, गंगू पाहन, मुखिया जयश्री कुमारी ,प्रेम खलखो, पंचायत जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी, मियांजान अंसारी, मुखिया कमल उरांव, अरविंद टोप्पो, अनुज तिर्की, पारस उरांव, प्रेम खलखो, राजेंद्र खलखो, चंद्रभूषण उरांव, रिमा देवी, अशोक भगत, राजू उरांव, अरविंद मुंडा, गंगू पाहन, रंजीत खलखो, राजीव उरांव सहित दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र एवं बुद्धिजीवी शामिल थे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: SBP-ELECT-2025-T-255

कार्य का नाम: सम्बलपुर मंडल के तहत मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग गेटों की विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता, आलोक व्यवस्था के स्तर का सुधार तथा रीवायरिंग।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 89,29,142.33, Earnest Money/बिड सिक्योरिटी डिपॉजिट: रु. 1,78,600.00. कार्य हेतु समापन अवधि: स्वीकृति पत्र (LOA) के जारी किए जाने की तारीख से छह महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 27.08.2025 को 1530 बजे तक।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों के अवैध माना जाएगा एवं किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपर उल्लेखित ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज के साथ सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। ई-निविदा में सिर्फ पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ही भाग ले सकते हैं। निर्देश के अनुसार ई-निविदा में भाग लेते समय सभी प्रासंगिक कागजात अपलोड किए जाने चाहिए।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (G), सम्बलपुर

PR-452/Q/25-26

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या–ईएल/28/खुली/ 2025–26

क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) धनबाद – धनबाद में महिला ट्रेन एस्कॉटिंग स्टाफ के लिए 10 बिस्तरों वाली महिला आरपीएफ एस्कॉर्ट बैरक का प्रावधान। (ब) हजारीबाग टाउन – हजारीबाग टाउन में मनोरंजन हॉल, डाइनिंग हॉल, फर्नीचर और अन्य सुविधाओं के साथ 20 बिस्तरों वाली आरपीएफ बैरक का प्रावधान। (स) एडीईएन/चोपन के तहत चोपन , सिंगरौली, ओबरा और शक्तिनगर में शौचालय, टाइल्स, पानी का कनेक्शन और पहुंच मार्ग प्रदान करके विभिन्न सेवा भवनों का नवीनीकरण। (द) सीनियर डीईएन/4/धनबाद के तहत रेणुकूट और सिंगरौली में आरपीएफ आउट पोस्ट ऑफिस का प्रावधान (ई) बरवाडीह–फ्रेट डिपो बरवाडीह में ट्रॉली रिपेयर शेड का विस्तार और अन्य सुधार कार्य से संबंधित वैद्युतिक कार्य **(कार्य समापन अवधि : बारह माह) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 77,97,761.95 **(3) बिड सिक्युरिटी :** रू० 1,56,000.00 **(4) बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली **(5) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

ई–निविदा संख्या–ईएल/29/खुली/2025–26

क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) धनबाद यार्ड के जल जमाव वाले क्षेत्र में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) का प्रावधान (ब) धनबाद डिवीजन में डीईएमयू (संख्या–02), सीएनएफ (संख्या–01), डीएसएमई (संख्या–01) और एमडब्ल्यूएफ (संख्या–01) के लिए हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (एचएबीडी) की आपूर्ति स्थापना और कमीशनिंग (स) कोडरमा–पिपराडीह– कोडरमा–पिपराडीह के बीच आईबीपी का प्रावधान (द) हजारीबाग टाउन–कंसार नवादा–हजारीबाग टाउन और कंसार नवादा के बीच आईबीपी का प्रावधान से संबंधित वैद्युतिक कार्य **(कार्य समापन अवधि : बारह माह) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 18,23,721.07 **(3) बिड सिक्युरिटी :** रू० 36,500.00 **(4) बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली **(5) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 29.08.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), धनबाद

पीआर/0744/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/76

दूर हो आशंका

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच का विवाद दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। दुर्भाग्य से दोनों पक्ष आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हुए हैं, जबकि मामले की गंभीरता को देखते हुए विवाद को सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यहां दांव पर चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता है, जो भारत की मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा को देखते हुए ठीक नहीं लगती। इसलिए चुनाव प्रक्रिया से संबंधी किसी भी आशंका को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए।

चुनाव आयोग पर सवाल : कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियां लंबे वक्त से चुनाव आयोग पर हमलावर रही हैं। इवीएम को लेकर काफी बहस हो चुकी है और इस पर हंगामा भी हुआ है। लेकिन, देश के सामने अभी जो सीन चल रहा है, वह अभूतपूर्व है। राहुल गांधी के आरोप सीधे-सीधे चुनाव आयोग की निष्पक्षता, ईमानदारी और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल हैं।

एकजुट विपक्ष : राहुल ने इससे पहले महाराष्ट्र चुनाव में इलेक्टोरल रोल को लेकर धांधली का आरोप लगाया था। इस बार उन्हें दूसरे विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। राहुल का आरोप है कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए हालिया विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नये नाम जोड़े और काटे गये, जिसका फायदा कथित तौर पर भाजपा को मिला। राहुल के इन आरोपों को भाजपा बेबुनियाद बताती आयी है। वह कहती है कि राहुल की यह चुनावी हार की खीझ है।

राहुल का आरोप है कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए हालिया विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नये नाम जोड़े और काटे गये, जिसका फायदा कथित तौर पर भाजपा को मिला।

स्पष्ट जवाब चाहिए : वहीं, राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने उनसे हलफनामा मांगा है। साथ ही, कर्नाटक समेत तीन राज्यों के चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं के नाम देने को कहा है, जो उनके हिसाब से गलत ढंग से काटे या जोड़े गये। इस मामले में चुनाव आयोग को बिंदुवार और स्पष्ट ढंग से अपना पक्ष रखना चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाये।

गंभीर संकट : राहुल गांधी एक संवैधानिक पद पर हैं और विपक्ष में होने के नाते उनका काम है कमियां उजागर करना एवं सरकार से जवाब मांगना। चुनाव आयोग भी संवैधानिक संस्था है। इन दोनों की ही बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है, लोकतंत्र मूल्यों की रक्षा में। इस क्रम में इनकी एक-दूसरे से असहमति, शिकायत मान्य है। लेकिन, अभी का घटनाक्रम असहमति से बहुत आगे निकल चुका है। जिस तरह से दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है, वह ठीक नहीं है। इस पर जल्द विराम लगना चाहिए।

अभिमत
आजाद सिपाही

संयुक्त राष्ट्र ने 1994 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस घोषित किया था ताकि विश्व के 47 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों की अनूठी भाषाओं, परंपराओं और प्रकृति से गहरे जुड़ाव को मान्यता मिले। भारत इन्ही आदिवासी समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रुप में जाना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत देश में इनकी जनसंख्या का 8.6% हिस्सा यानी लगभग 10.4 करोड़ लोग हैं। आदिवासी समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस : आदिवासी समुदाय की चुनौतियां

लक्ष्मीनारायण मुंडा

प्रति वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस, आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक समृद्धि, पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र ने 1994 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस घोषित किया था ताकि विश्व के 47 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों की अनूठी भाषाओं, परंपराओं और प्रकृति से गहरे जुड़ाव को मान्यता मिले। भारत इन्ही आदिवासी समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रुप में जाना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत देश में इनकी जनसंख्या का 8.6% हिस्सा यानी लगभग 10.4 करोड़ लोग हैं। आदिवासी समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह भी सच्चाई है कि भूमि अधिकारों की कमी, हिंसा, शोषण और सांस्कृतिक पहचान के ह्रास जैसी चुनौतियां उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। इस आलेख में हम आज के संदर्भ में भारत में आदिवासी समुदायों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों, उनके संघर्षों और एकता की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

यूनेस्को के अनुसार भारत में 600 से अधिक आदिवासी भाषाएं खतरे में हैं।

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस का महत्व : अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस न केवल आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को उजागर करता है, बल्कि उनके सामने मौजूद सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिन आदिवासियों के भूमि अधिकारों,शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे मुद्दों पर वैश्विक जागरुकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। भारत में जहाँ आदिवासी समुदाय देश की सांस्कृतिक विविधता का एक अभिन्न हिस्सा हैं, यह दिन विशेष रुप से प्रासंगिक है। आदिवासी समुदायों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया है, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक-आर्थिक सुधारों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिर भी भारत देश में आदिवासी समुदाय ऐतिहासिक रुप से हाशिए पर हमेशा रहे हैं। 2023 के आंकड़ों के अनुसार वन अधिकार अधिनियम के तहत लाखों दावे अभी भी लंबित हैं, जो उनकी भूमि और संसाधनों पर अधिकारों को लागू करने में बाधा उत्पन्न कर रहा है। आदिवासी समुदाय के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों में उनकी पहुंच सीमित है। साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार केवल 59% थी और शिशु मृत्यु दर और कुपोषण राष्ट्रीय औसत से अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस इन मुद्दों पर नीति निमार्ताओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम जनता का ध्यान आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण दिन है।

आदिवासी समुदाय की प्रमुख चुनौतियां : आज के संदर्भ में आदिवासी समुदाय कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन चुनौतियों को नीचे विस्तार से समझा जा सकता है :- **1. भूमि और संसाधनों पर अधिकारों की कमी :** आदिवासी समुदायों की आजीविका और सांस्कृतिक पहचान का आधार उनकी भूमि और प्राकृतिक संसाधन हैं। वन अधिकार अधिनियम ने आदिवासियों को उनकी पारंपरिक भूमि पर अधिकार प्रदान करने का प्रयास किया। लेकिन इसका कार्यान्वयन अपर्याप्त रहा है। 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार ऋअफअ के तहत 40 लाख से अधिक दावे दायर किए गए, जिनमें से केवल 50% को ही मंजूरी मिली है। वहीं खनन, बांध निर्माण और औद्योगीकरण जैसे बड़े पैमाने के परियोजनाओं ने लाखों आदिवासियों को उनकी भूमि से विस्थापित किया है। उदाहरण के लिए झारखंड में 1951 से 2010 के बीच खनन गतिविधियों के कारण लगभग 15 लाख लोग विस्थापित हुए, जिनमें से अधिकांश आदिवासी थे।

2. आदिवासी समुदाय हिंसा और शोषण का शिकार : विभिन्न राज्यों में आदिवासियों के खिलाफ हिंसा और शोषण की घटनाएं बढ़ रही हैं। मणिपुर, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आदिवासी समुदायों के खिलाफ बलात्कार, हत्या और शारीरिक हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा ने आदिवासी समुदायों विशेष रुप से कुकी और मैतेई समुदायों को गंभीर रुप से प्रभावित किया। इसके अलावे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय पुलिस और सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष में फंस जाते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और आजीविका खतरे में पड़ती है।

3. सांस्कृतिक पहचान का ह्रास : आदिवासी समुदायों की भाषाएं, परंपराएं और सांस्कृतिक प्रथाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। यूनेस्को के अनुसार भारत में 600 से अधिक आदिवासी भाषाएं खतरे में हैं। देश में मुख्यधारा की संस्कृति में आत्मसात करने का दबाव और आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने आदिवासी बच्चों को उनकी मूल भाषा और संस्कृति से दूर कर दिया है। इसी तरह धार्मिक और सांस्कृतिक एकरुपता को बढ़ावा देने वाली नीतियां जैसे उच्चतम न्यायालय के द्वारा आदिवासी महिलाओं को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार देने का निर्णय,समान नागरिक संहिता (वउउ), आदिवासी समुदायों की पारंपरिक कानूनों और रीति-रिवाजों को कमजोर करने की ओर बढ़ रही हैं। उत्तराखंड में 27 जनवरी 2025 से लागू वउउ ने इस मुद्दे को और जटिल बना दिया है, क्योंकि यह आदिवासियों के पारंपरिक कानूनों को नजरअंदाज कर सकता है।

4. कानूनी और नीतिगत चुनौतियां : केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियां कई बार आदिवासियों के हितों के खिलाफ काम करती हैं। वन संरक्षण संशोधन विधेयक (2023) ने वन भूमि पर आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर किया है, क्योंकि यह कॉरपोरेट और सरकारी परियोजनाओं को प्राथमिकता देता है। आज भी पांचवी अनुसूची क्षेत्र शिड्यूल एरिया अनुच्छेद 244 के राज्यों में पूर्ण रुपेण पंचायत अधिनियम का प्रभावी कार्यान्वयन भी नही हो पाया है, जिसके कारण आदिवासी क्षेत्रों में स्वशासन की व्यवस्था कमजोर है। वहीं नौकरशाही और भ्रष्टाचार ने आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को लागू करने में बाधा उत्पन्न की है।

5. कुड़मी/ कुरमी आंदोलन और विवाद : कुड़मी/कुरमी समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (रळ) का दर्जा प्राप्त करने की मांग ने आदिवासी समुदायों के बीच तनाव पैदा किया है। यह आंदोलन विशेष रुप से झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में सक्रिय है। इससे कई मूल आदिवासी समूहों द्वारा उनके संवैधानिक हक-अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व-हिस्सेदारी ,जमीन और नौकरी पर कब्जा करने के रुप में देखा जा रहा है। इस मांग के पीछे सामाजिक-आर्थिक लाभ और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की चाहत है, लेकिन यह आदिवासियों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को कमजोर करने का खतरा पैदा करता है। इस विवाद ने आदिवासी समुदायों के बीच एक डर और की आशंकाओं को जन्म दिया है।

6. ब्राह्मणवादी-सवर्ण मानसिकता का प्रभाव : भारत में ब्राह्मणवादी-सवर्ण और मनुवादी विचारधाराएं आदिवासी, दलित और अन्य हाशिए के समुदायों पर हावी हैं। यह मानसिकता न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ावा देती है, बल्कि आदिवासियों के खिलाफ हिंसा और शोषण को सामान्य बनाती है।

(लेखक :आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता और आंदोलनकारी हैं।)

कोल्हान की खबरें

विश्व आदिवासी दिवस पर शहीदों को नमन कर आदिवासी एकता और विकास पर चर्चा

आदिवासी समाज के विकास में आत्मनिर्भरता उच्च शिक्षा और संस्कृति का संरक्षण जरूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। गढ़डा फुटबॉल मैदान में विश्व आदिवासी दिवस पर झारखंड आंदोलनकारी जेना जामुदा के नेतृत्व में एक सभा का आयोजन किया गया। शनिवार को सभा की शुरूआत शहीदों को धूप व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि के बाद हुई। सभा में आदिवासियों को एकजुट करने, समाज का विकास, जरूरतमंदों का उत्थान, शिक्षा का प्रसार और नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सभा में उपस्तित हुए सामाजिक कार्यकर्ता राजेश सामंत ने कहा संगठित होकर ही आदिवासी समाज अपने अधिकारों और संस्कृति की रक्षा कर सकते है। श्री सामंत ने कहा आदिवासी समाज के विकास का मूल मंत्र आत्मनिर्भरता,शिक्षा, और अपनी संस्कृति का संरक्षण है। उन्होंने कहा आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाना होगा ताकि वे अपनी स्वतंत्रता और स्वायत्तता के साथ गरीबी, शोषण और अन्याय से लड़ सकें। राजेश सामंत ने कहा समाज के युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना होगा ताकि वे अपनी क्षमताओं का विकास कर आत्मनिर्भर बन सकें। कहा समाज को अपनी पारंपरिक ज्ञान, प्रथाओं और मूल्यों को संजोए रखना होगा। ताकि आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित किया जा सके। मौके पर आंदोलनकारी जेना जामुदा ने कहा समाज मे सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है।विकास की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना और अपने समुदायों के लिए निर्णय लेने में शामिल होना होगा। कहा जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर उसका सतत उपयोग करना होगा। सभा मे उपस्तित ग्राम प्रधान सुखलाल हेंब्रम ने कहा आदिवासी समाज को एकजुट करना होगा। मौके पर सभा मे उपस्तित सभी महिलाओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष राजेश सामंत, ग्राम प्रधान सुखलाल हेंब्रम, नारायण बंडरा,संपूर्ण सवैया, भूपति सरदार,छोटे सरदार, शंकर गगराई,नारायण पूर्ति,कन्हाई हेंब्रम, रामचंद्र टीयू,बबलू टीयू, मोसो बिरुवा,रामचंद्र वारदा, सरिता बारदा, लक्ष्मी बारदा, सबिता मानकी, सरिता कालुण्डिया,अनिता महतो, गीता पूर्ति, किसनों हेंब्रम समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

बनबेड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर का क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। बनबेड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए राष्ट्रीय स्तर का असेसमेंट किया गया।शनिवार को मेरठ मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ मनीष अग्रवाल और कटक के उपाधीक्षक डॉ अमित कुमार अग्रवाल के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सीएचओ शैलजा खलखो, एएनएम बिना कुमारी, सोम प्रिया महतो ने संस्थान में होने वाले सभी सेवा जैसे टीका करण, ओपीडी सेवा, दवा की उपस्थिति मरीजों का देखभाल एवं अन्य सेवा की जानकारी दी। मौके पर डॉ राजेंद्र नाथ सोरेन, बी पी एम मयंक सिंह, सुशील कुमार दीप, घाटशिला के सभी सीएचओ एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

मानगो उलीडीह में फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। आदिवासी बॉयज क्लब द्वारा विश्व आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन के अवसर पर मानगो उलीडीह में एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।शनिवार को प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता शामिल हुए।मौके पर प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने फुटबॉल में किक मारकर किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। बन्ना गुप्ता ने कहा खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे को भी बढ़ावा देती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे मनोयोग और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अपील की।

भूमिज समाज ने रघुनाथ सिंह को दी श्रद्धांजलि

घाटशिला (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस पर भूमिज समाज ने आदिवासी भूमिज मुंडा महाल शहीद रघुनाथ सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।शनिवार को कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-जमीन के सजग प्रहरी, प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के संवाहक,प्रकृति के सच्चे सेवकों को याद करते हुए आदिवासी भाई-बहनों को दिवस की शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने विश्व की सबसे प्राचीन आदिवासी सभ्यता और संस्कृति के संरक्षण तथा आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। मौके पर असित सिंह सरदार, पति सरदार, लखन सरदार, पोल्टू सरदार, केदार सिंह, वीरेंद्र सिंह, विरु सिंह, दीपक सिंह, शंभु सिंह, अजय सिंह, रिदाय सिंह, रतिलाल सिंह, अपीन सिंह, आनंद भूमिज, निर्मल सिंह, सुफल सिंह, राजेन्द्र सिंह, अतुल सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर कुणाल षाडंगी ने युवती को दी सिलाई मशीन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। रक्षा बंधन के अवसर पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी ने भाई बहन के रिश्ते में मिसाल पेश कर अनोखी पहल की।शनिवार को कुणाल षाडंगी ने आर्थिक रूप से बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही अपनी छोटी बहन किरण कुमारी को रोजगार का तोहफा दिया।नामया स्माइल फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य मंटू प्रामाणिक ने बताया कुणाल षाडंगी को पता चला किरण कुमारी लंबे समय से सिलाई-कढ़ाई के कार्य के जरिए परिवार का पालन-पोषण करना चाहती हैं। लेकिन साधन के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रही थी। उन्होंने रक्षा बंधन के दिन बहन को सिलाई मशीन भेंट की ताकि वह अपनी मेहनत और हुनर के बल पर आजीविका चला कर आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर भावुक होते हुए कुणाल षाडंगी ने कहा रक्षा बंधन केवल राखी बांधने का त्योहार नहीं बल्कि बहन की सुरक्षा, सम्मान और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लेने का अवसर है।उन्होंने कहा प्रयास है हर बहन अपने पैरों पर खड़ी हो किसी पर निर्भर न रहे।श्री षाडंगी ने कहा ऐसे छोटे-छोटे प्रयास किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती और समाज में सकारात्मक संदेश दे सकते हैं।मौके पर झामुमो युवा मोर्चा के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष अंकित सिंह, युवा नेता अभिषेक मोहंती, कपिल रजक और सोनू तिवारी उपस्थित रहे।उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा ऐसे कदम समाज में प्रेरणा का स्त्रोत बनती हैं।

रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा संकल्प का प्रतीक : रघुवर दास

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के एग्रिको स्थित आवास में भाई बहन के अटूट बंधन हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। शनिवार को रक्षाबंधन के दिन सैकड़ों बहनों व ब्रह्माकुमारी के बहनों ने उन्हें राखी बांधकर उनकी दीघार्यु की कामना की। मौके पर श्री दास ने बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। साथ ही नारी सम्मान व सुरक्षा के लिए समाज को एकजुट होने का आह्वान किया।उन्होंने रक्षाबंधन को भाई-बहन के प्रेम व सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक बताया। सभी भाइयों से नारी शक्ति की गरिमा बनाये रखने का आग्रह किया।

कपाली में युवक पर चापर से हमला हालत नाजुक

चांडिल (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र के डोबो पुल के समीप शनिवार देर रात पुराने रंजिश में मानगो निवासी फरदीन खान पर चापर से जानलेवा हमला करने का एक मामला प्रकास में आया है। शनिवार को हमले में गंभीर रूप से घायल फरदीन को तत्काल टीएमएच अस्पताल लाया गया। जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार दो साल पूर्व गोलमुरी के कुछ युवकों के साथ फरदीन का विवाद हुआ था। मामला सुलझ जाने के बावजूद आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। परिजनों का आरोप है आरोपी लगातार खुलेआम धमकी दे रहे थे।

डीसी ने आदिवासी महापुरुषों के स्मारक पर माल्यार्पण किया

सरायकेला (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस पर डीसी नितिश कुमार सिंह ने सिदो-कान्हू पार्क में सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा और अन्य आदिवासी महापुरुषों के स्मारक पर माल्यार्पण किया। मौके पर उन्होंने कहा यह दिवस आदिवासी समाज की पहचान, गौरव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने सभी से परंपराओं के संरक्षण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

नकली मिठाई पर एसडीएम की कार्रवाई चौथे दिन भी रही जारी

अग्रवाल मोहल्ला से दो क्विंटल मिठाई की जब्त

रक्षाबंधन पर पैदल चलकर दुकानदारों और ग्राहकों को नकली मिठाइयों के विरुद्ध किया जागरूक

भोले-भाले आम लोगों की सेहत की चिंता करना ही उद्देश्य : एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर में नकली, मिलावटी या दोयम दर्जे की मिठाई एवं अन्य खाद्य सामग्री को लेकर एसडीएम सदर संजय कुमार ने शुरू की गयी सघन कार्रवाई जारी रखी। दुकानदारों के यहां पहुंचकर सड़ी गली, बदबूदार या प्रथम द्रष्टया निम्न गुणवत्ता वाली मिठाइयों को मौके पर ही फेकवा दिया। वहीं अमन प्लास्टिक के मलिक अमन केसरी के अग्रवाल मोहल्ला स्थित आवास से लगभग दो कुंटल नकली खोवा के पेड़े एवं अन्य मिठाइयां जब्त करते हुए उन्हें नगर परिषद को विनष्ट करने के लिए सौंप दिया।

जांच के दौरान मेन रोड स्थित अग्रवाल मोहल्ला में व्यवसायी अमन केसरी के परिसर से 9 बड़े कार्टूनों में करीब 2 कुंटल नकली मिठाई बरामद की गयी। प्रथम द्रष्टया यह मिठाई अत्यंत निम्न गुणवत्ता की पायी गयी, जिसमें अधिकांश नकली खोये से बने पेड़े शामिल थे। पूछताछ में व्यवसायी ने इनकी कीमत 100 रुपये प्रति किलो बतायी। सिर्फ 100 रुपये किलो में एक किलो पेड़ा मिलने की बात पर एसडीएम ने हैरानी जताते हुए संबंधित कारोबारी को फटकार लगाई कि पैसे के लिए वे लोगों की सेहत के साथ मजाक न करें।

पूछताछ में व्यवसायी अमन केसरी ने स्वीकार किया कि ये मिठाइयां उन्होंने शेरघाटी क्षेत्र से बिना किसी वैध चालान या दस्तावेज के मंगवाई थीं। जब उनसे फूड लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, तो उन्होंने बताया कि उनके पास कोई फूड लाइसेंस नहीं है, क्योंकि वे मूलतः 'अमन प्लास्टिक' के नाम से प्लास्टिक का कार्य करते हैं।

उल्लेखनीय है कि एसडीएम संजय कुमार की यह कार्रवाई पिछले चार दिनों से लगातार जारी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनका उद्देश्य व्यापारियों में डर उत्पन्न करना नहीं है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

मिलावटखोरी की शिकायतों के लिए एसडीएम ने हेल्पलाइन नंबर 6203263175 जारी किया

सदर अनुमंडल क्षेत्र में मिलावटी मिठाई को लेकर लगातार 5 दिनों से अभियान जारी है। एसडीओ संजय कुमार ने कहा कि मिलावट का खेल केवल त्यौहार में ही नहीं, बल्कि संभावना है कि यह साल भर चलता होगा और यह भी आशंका है कि यह खेल सिर्फ मिठाई तक सीमित नहीं है अन्य खाद्य वस्तुओं में भी मिलावट मिलावटी कारोबार चल रहा होगा। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर 6203263175 जारी किया गया है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे इस नंबर पर कॉल नहीं करें सिर्फ व्हाट्सएप मैसेज ही करें।

एसडीएम ने अवैध बालू उठाव को लेकर 11 लोगों पर की निरोधात्मक कार्रवाई

गढ़वा (आजाद सिपाही)। अनुमंडल दंडाधिकारी संजय कुमार ने अवैध बालू उठाव को लेकर मिल रही शिकायतों के क्रम में एहतियातन सदर प्रखंड के 11 लोगों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई आरंभ की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल अवैध हैं बल्कि क्षेत्र में शांति भंग की आशंका भी उत्पन्न करती हैं, इसलिए पहले चरण में फिलहाल 11 व्यक्तियों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है। इन लोगों में राधे मेहता, छोटू सिंह, तारेश सिंह, जितेंद्र सिंह, शाहबाज खान, प्रवीण सिंह, फिरोज अंसारी, राकेश तिवारी, शाहरुख खान, रोहित कुमार, मनोज तिवारी शामिल है। फिलहाल सभी को कारण परीक्षा सहित एसडीएम कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

आदिवासियों के सम्मान और विकास के लिए हम सभी संकल्पित हों : उपायुक्त

विश्व आदिवासी दिवस पर उपायुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों ने भगवान बिरसा मुंडा एवं नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात टाउन हॉल गढ़वा में अवस्थित नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उनके योगदान को स्मरण किया गया।

उपायुक्त श्री यादव ने जिलेवासियों से कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के इस पावन अवसर पर सभी जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाए एवं जोहार! यह दिन हमें आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है। आइए, हम सब मिलकर उनके अधिकार, सम्मान और विकास के लिए संकल्पित हों।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं आमजन ने आदिवासी समाज की संस्कृति, इतिहास और विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने का संकल्प लिया।

आदिवासी समुदाय ने झांकी निकाली

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी के अवसर पर शनिवार को मकरी पंचायत में नीलांबर पीतांबर आदिवासी संघ बगही के द्वारा आदिवासी समुदाय द्वारा झांकी व जुलूस निकाली गयी। इसका नेतृत्व उपप्रमुख पिंटू टोप्पो ने की। झांकी व जुलूस बगही गांव से लेकर मुख्य पथ होते हुए पुनः बगही वापस पहुंची। इस दौरान आदिवासियों की परंपरागत नृत्य किया गया, साथ ही आदिवासियों ने हाथ में पोस्टर लेकर एक तीर एक कमान सब आदिवासी एक समान, सिद्ध कान्हो अमर रहे, देशोंम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे का बैनर लेकर ढोल नगाड़े व डीजे के साथ नारा लगाते नजर आये। बगही में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नारायण प्रसाद यादव व उपप्रमुख पिंटू टोप्पो ने किया।

एकल विद्यालय के आचार्य बहनों ने एसडीपीओ और पुलिस पदाधिकारियों को बांधी राखी

रंका (आजाद सिपाही)। भाई - बहनों का प्रेम और प्रतिष्ठा का त्योहार रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर शनिवार को एकल विद्यालय के आचार्य बहनों ने रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह, पुलिस निरीक्षक सुभाष पासवान एवं रंका थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह को सुरक्षा हेतु माथे पर तिलक लगाकर कलाई में राखी बांधी। इस मौके पर रंका पुलिस निरीक्षक सुभाष पासवान, थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, ग्राम उत्थान समिति अंचल गढ़वा के अध्यक्ष संजय प्रसाद गुप्ता, एकल विद्यालय के अध्यक्ष किशोर कुमार शौंडिक, सचिव राजेश उर्फ उत्तम पांडेय, राजीव यादव, सुरेश यादव सहित आचार्य बहनें उपस्थित थीं।

प्लस टू उच्च विद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मना

भंडरिया (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष हरिदास तिर्की के नेतृत्व में प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम स्वर्गीय शिबू सोरेन के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की व दो मिनट मौन रखा गया। इस मौके पर सुनील मिंज, लक्ष्मण उरांव, चंद्रशेखर सिंह, गजेंद्र सिंह, बाना मिंज, अनिल मिंज सहित समेत आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

आदिवासी महिलाओं ने सीओ को राखी बांधी

मझिआंव (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के रामपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम जाहरसराय के पहाड़ी तलहटी स्थित परेहिया टोला में विश्व आदिवासी दिवस एवं रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर अंचलाधिकारी प्रमोद कुमार ने आदिम जनजाति की बहनों के साथ भावुक पल साझा कर भाई-बहन के अटूट रिश्ते की मिसाल पेश की। इस अवसर पर दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने पारंपरिक रक्षाबंधन गीतों के बीच सीओ प्रमोद कुमार की कलाई पर राखी बांधी। राखी बांधते समय महिलाओं की आंखों में खुशी और गर्व की चमक थी, वहीं सीओ साहब भी भावुक होकर भाई-बहन के प्रेम को जन्म-जन्मांतर तक निभाने का वादा करते हुए झर-झर आंसू बहा बैठे। बहनों ने उन्हें ढांढस बंधाया और भाई के रूप में अपनापन जताया।

छात्राओं ने पुलिस और आइआरबी जवानों को राखी बांधी

भंडरिया (आजाद सिपाही)। रक्षाबंधन के अवसर पर भंडरिया थाना परिसर में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी अभिजीत गौतम, मिश्रा थाना में तैनात पुलिस के जवानों एवं आईआरबी (भारत रिजर्व बटालियन) के जवानों को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस कार्यक्रम में पुलिस, जवानों और समाज के बीच संबंधों को और मजबूत किया। इस मौके पर कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के वार्डन अमला प्रभात तिर्की भंडारिया पुलिस के जवान एवं आईआरबी के जवान उपस्थित थे।

बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर प्रेम की बांधी डोरी

सगमा/कांडी/भवनाथपुर (गढ़वा) (आजाद सिपाही)। शनिवार को प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी। सगमा व बिरवल चौक चौराहे पर सुबह से ही लोगों की भीड़ एकत्र होने लगी जो देर शाम तक यथावत रही। कांडी व हरिहरपुर के छोटे-बड़े दुकानों में देर शाम तक खरीददारी का दौर चलता रहा।

डायरिया से महिला की मौत, 30 घंटे घर में पड़ा रहा शव, समाजसेवियों ने की अंत्येष्टि

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड के बुका गांव के तीनकोनिया टोला में प्रशासनिक संवेदनहीनता का बड़ा मामला सामने आया है। डायरिया से पीड़ित तेतरी देवी की मौत के बाद उनका शव 30 घंटे से अधिक समय तक घर में पड़ा रहा। मृतका के परिजन डायरिया की चपेट में आने के डर से शव का दाह संस्कार किए बिना घर छोड़कर चले गये। इस दौरान न तो प्रशासन की ओर से कोई पहल हुई। स्थिति की जानकारी मिलते ही मकरी पंचायत के समाजसेवी व जेएमएम नेता अनुज यादव उर्फ बबलू यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने पंचायत मुखिया बेबी देवी, जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा एवं ग्रामीणों के सहयोग से अंत्येष्टि की पूरी प्रक्रिया संपन्न करायी। इसके बाद शव को बुका नदी स्थित श्मशान घाट पर ले जाकर हिंदू रीति रिवाज से दाह संस्कार किया गया। दाह संस्कार में रोजगार सेवक किशोर कुमार, कंचन पासवान, कृष्ण राउत बालेश्वर, आकाश राउत, मिथलेश राउत, नंद कुमार, दशरथ पासवान, मोतीलाल यादव, हफिज अंसारी ने सहयोग किया।

शिव मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक, महा भंडारा का आयोजन

मेराल (आजाद सिपाही)। पवित्र श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात रुद्राभिषेक व हवन, आरती कर सुख शांति की कामना की गयी। आचार्य पंडित दिनेश पाठक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन तथा रुद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न कराया गया। जिसमें मुख्य यजमान के रूप में थाना प्रभारी विष्णु कांत सपत्नीक, संजय प्रसाद सहित कई अन्य लोग शामिल रहे। इस अवसर पर एसडीएम, एसडीपीओ, बीडीओ सहित कई गणमान्य लोग पहुंच कर प्रखंड वासियों को सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी।

मझिआंव में प्रेस क्लब के नये कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मझिआंव (आजाद सिपाही)। एसडीएम गढ़वा संजय कुमार पांडेय द्वारा मझिआंव प्रखंड परिसर में नगर पंचायत कार्यालय के सामने प्रेस क्लब के नये कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी, राधाकृष्ण मंदिर के महंत बाल ब्रह्मचारी साधु बाबा केशव नारायण दास तथा निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी उदघाटन कार्यक्रम में उपस्थित थीं। इस अवसर पर एसडीएम श्री पांडेय ने कहा कि प्रेस क्लब कार्यालय का उद्घाटन करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रेस समाज का दर्पण है और लोकतंत्र की सशक्त कड़ी भी। मुझे विश्वास है कि यह नया कार्यालय रचनात्मक पत्रकारिता का केंद्र बनेगा, जहां सत्य, निष्पक्षता और जनहित सर्वोपरि रहेंगे। प्रेस क्लब के सभी सदस्यों को इस प्रयास के लिए बधाई देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। उन्होंने नगर पंचायत की ओर से पत्रकारों को कार्यालय उपलब्ध कराने पर कहा कि इसके लिए मैं नगर पंचायत को भी साधुवाद देता हूं।

भंडरिया में तीन दिवसीय भक्ति मेला और सांस्कृतिक महोत्सव का आगाज

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर भंडरिया प्रखंड के जनेवा (बंगाली डेरा) में भक्ति मेला, भक्ति जागरण और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शुक्रवार संध्या 5 बजे अखंड कीर्तन से हुई, जो शनिवार सुबह 5 बजे पूणार्हुति के साथ संपन्न हुआ। इसके उपरांत जल यात्रा, पूजन, पाटन मेला और भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जय जोगिया बाबा का आगमन सतयुग में हुआ था। लगभग 150 वर्ष पूर्व वे इस स्थान पर आए और साधारण निवास बनाकर यहीं साधना करने लगे, जो बाद में मंदिर का रूप ले लिया। बुजुर्गों के अनुसार, बाबा में अलौकिक शक्तियां थीं और वे भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते थे। कहा जाता है कि वे कभी-कभी नाग का रूप लेकर दर्शन देते थे। भक्तों ने भक्ति भाव से बाबा का पूजन-पाठ किया, चढ़ावा अर्पित किया और प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक संतोष प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान धार्मिक आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मेला को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह, सचिव अशोक कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, उपसचिव संतोष नायक, सह-कोषाध्यक्ष विजय नायक, राजेश सिंह, लाल धारी सिंह, सुखसागर कश्यप, विजय सिंह, बाबूलाल सिंह, कामेश्वर सिंह और जवाहर सिंह ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह तीन दिवसीय मेला रविवार को समाप्त होगा, जिसमें समापन अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

एसडीपीओ सहित कई पुलिस अधिकारियों ने किया सम्मानित, दिये उपहार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। थाना के चौकीदार जगदीश पासवान एवं बुद्धिनारायण राम को सेवानिवृति होने पर शनिवार को समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गयी। विदाई सह सम्मान समारोह में एसडीपीओ नीरज कुमार, इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार आजाद, थाना प्रभारी विष्णु कांत के साथ कई पुलिस पदाधिकारीयों, जवानों तथा सभी चौकीदारों के अलावा बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर दोनों चौकीदारों के मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर थाना परिवार द्वारा दोनों को फूल माला तथा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया तथा उपहार देकर भावभीनी विदाई दिया गया। इस अवसर पर एसडीपीओ नीरज कुमार ने कहा कि विदाई एक सतत प्रक्रिया है, उन्होंने दोनों को अनवरत सेवा देने तथा उज्जवल भविष्य की कामना की।

रक्षाबंधन सिर्फ पर्व ही नहीं, बल्कि स्नेह व विश्वासों का अटूट बंधन है: मदन केशरी

जी एन कान्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन का अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। स्थानीय जीएन कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उत्सव मंच के अंतर्गत सहगामी पाठ्य के आधार पर सावन मास समापन के पूर्व संध्या पर स्कूल परिसर में बहुआयामी प्रतियोगिता सावन महोत्सव आयोजित की गयी, जिसमें जूनियर विंग में कक्षा 2 से लेकर 6 तक के लिए राखी मेकिंग सह रक्षाबंधन कार्यक्रम, सीनियर विंग में कक्षा 6 से लेकर 12 तक के लिए मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता एवं रक्षाबंधन पर्व पर स्वागतगीत, रक्षाबंधन गीत एवं नृत्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा अभिभावकों ने भी अपनी रुचि दिखायी। उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए निदेशक सह शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि भारत को त्योहारों के देश के तौर पर जाना जाता है और हर महीने कई तरह के उत्सव देखने को मिलते हैं। इन्हीं पर्वों में से एक है रक्षाबंधन का त्योहार जिसे भाई-बहन के संबंध के उत्सव के तौर पर देखा जाता है। रक्षाबंधन को भाई-बहन के प्यार और सुरक्षा के अटूट बंधन के तौर पर देखा जाता है। रक्षाबंधन का धागा समर्पण, विश्वास और स्नेह की एक डोर की तरह है जो भाई को

बहन की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर होना है।यह समर्पण, त्याग और विश्वासों का अटूट बंधन वाला पर्व है।इस अवसर पर जूनियर विंग के बच्चों में राखी बनाओ- राखी बांधो प्रतियोगिता जबकि सीनियर विंग में मेहंदी सजाओ प्रतियोगिता, साथ ही स्वागत गीत एवं रक्षाबंधन पर आधारित नृत्य का आकर्षण मुख्य रूप से रहा जिसे बच्चों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। अभिभावकों ने इस तरह के आयोजन के लिए विद्यालय को बधाई दी। वहीं कलात्मक व रचनात्मक दृष्टिकोण से सावन महोत्सव पर छात्राओं ने अपने हथेलियां पर मेहंदी का डिजाइन उकेर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।

किन्नर सदस्यों ने एसडीएम को बांधी राखी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर किन्नर समुदाय की सदस्यायें अपनी गुरु राधा किन्नर के नेतृत्व में एसडीएम आवास पहुँचीं और अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार को अपने हाथों से राखी बांधकर उनके अच्छे भविष्य की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिये। राधा किन्नर के साथ कई अन्य सदस्य भी मौजूद थे। इस मौके पर राधा किन्नर ने कहा कि कुछ माह पहले एसडीएम संजय कुमार ने अपने कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में किन्नरों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल की थी। तब से उनका समुदाय इनकी कार्यशैली से अत्यंत संतुष्ट है। राधा किन्नर ने कहा कि एसडीएम की कार्यप्रणाली हर आम और खास के लिए समान रहती है, और वे ईश्वर से प्रार्थना करती हैं कि उनकी यह शैली हमेशा बनी रहे। एसडीएम ने भी सभी का अभिवादन करते हुए आभार व्यक्त किया।

स्कूली छात्राओं और शिक्षिकाओं ने एसडीएम को बांधी राखी

गढ़वा। रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व शुक्रवार को सदर एसडीएम संजय कुमार अचानक एक स्थानीय विद्यालय पहुंचे, जहां शिक्षिकाओं और नन्हीं छात्राओं ने उन्हें राखी बांधी। यह पल सभी के लिए अत्यंत भावुक और हर्ष का रहा। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने बताया कि छात्राएं पिछले दो-तीन दिनों से खुद अपने हाथों से राखियां बना रही थीं। इस अवसर पर एसडीएम संजय कुमार ने वादा किया कि वे हमेशा समाज की सभी बहनों की रक्षा और सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

स्कूली छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों को राखी बांधी

तमाड़ (आजाद सिपाही)। रक्षाबंधन के अवसर पर स्कूली छात्राओं ने शनिवार तमाड़ थाना पहुंचे और थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मोदी समेत पुलिस जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ, समृद्ध और सुरक्षित जीवन की कामना की। राखी बंधवाने के बाद थाना प्रभारी ने छात्राओं के साथ थाना परिसर में उन्होंने कहा कि पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा और बहनों की रक्षा के लिए भी हमेशा तैयार रहती है।

चलकद मैदान में शोकसभा का आयोजन

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की प्रखंड के मदहातु पंचायत के चलकद मैदान में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में शामिल जिला प्रवक्ता सह विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल जगदीश मुंडा, बुधू मुंडा, मुखिया लक्ष्मण टूटी, अब्राहम सोय (ग्राम प्रधान) मोगो मुंडा, जोहन मुंडा, ग्रेस मंगदली, मार्बल सोय, शिशिर नाग, जूसाफ सोय, हबील सोय, धोनो मुंडा, पोबिना सोय अब्राहम सोय आदि उपस्थित हुए।

वुशू खेल प्रदर्शनी का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। चतरा जिला वुशू संघ के तत्वावधान में झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय खलारी में विश्व वुशू दिवस के उपलक्ष्य में वुशू खेल की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। चतरा जिला वुशू संघ के सचिव रजी अहमद के निर्देशन में कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय पदक विजेता वुशू खिलाड़ी अविनाश गंझू ने किया। इस दौरान विशाल गंझू और शीतल कुमारी ने विशेष रूप से ताईची (चीनी योगा) का प्रदर्शन किया, जो आत्मरक्षा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एवं संतुलन के लिए अद्वितीय कला है। उन्होंने ताईची की विशेषताओं पर भी विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा शिवम उरांव, भास्कर ठाकुर, पिंटू महतो, विक्रम गंझू, तन्नु कुमारी, प्राची कुमारी, सुमो कुमारी, नरेंद्र कश्यप, श्रुति कुमारी, विद्या चौहान और वरुण कुमार ने सामूहिक प्रदर्शन कर विद्यालय के छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे।

बहनों ने भाई की कलाई पर बांधी राखी

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। भाईबहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन सोनाहातू और राहे प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ में नाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाई के कलाई पर राखी बांधा और भाई के दीघार्यु जीवन की मंगल कामना ईश्वर से किया।बहनों ने भाई की आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधा। इसके बाद मिठाई खिलाया। भाईयों ने भी इस अवसर पर बहनों को उपहार दिया। भाई की कलाई पर बहना का प्यार दमक रहा था। कहीं रेशम की डोर से रिश्ते मजबूत हो रहा था, तो कही सुनहरी राखियों के साथ जीवनभर रक्षा करने का वचन लिया गया। भाईयों के माथे पर तिलक सज रहा था। रक्षा बंधन को लेकर पूरे प्रखंड में काफी चहल पहल देखी गई। रक्षाबंधन श्रावणी पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है जिसके कारण शनिवार को सुबह से ही सभी शिवालयों में श्रद्धालुओ की काफी भीड़ रही। सभी कतारवद्ध होकर जलाभिषेक किये।

तीन दिवसीय आकांक्षा हाट का समापन

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन द्वारा सात से नौ अगस्त तक आयोजित नीति आयोग, आकांक्षी और प्रखंड कार्यक्रम का समापन शनिवार को हो गया। हाट का उद्देश्य लोकल फॉर बोकल के तर्ज पर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है, ताकि जिले की आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ किया जा सके। जन शिक्षण संस्थान विकास भारती खूंटी के स्टॉल में पहले दिन विधायक राम सूर्या मुंडा, सांसद प्रतिनिधि नईमुद्दीन खान, जिला शिक्षा प्राधिकारी अपरूप पाल, जिल शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह, प्रभारी पदाधिकारी कुंदन कुमार उपस्थित थे। जेएसएस स्कीम और इसके अंतर्गत चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे मे प्रभारी निदेशक राजेश शमार्ने विस्तृत जानकारी दी और स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार से सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के लिए ज्यादा समर्थन की बात रखी। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव ठाकुर, धर्मेंद्र मुंडा, ममता सांगा, क्रिस्टीना भेंगरा, दसाय नाग ने योगदान दिया।

बाबा आम्रेश्वर धाम के श्रवाणी मेला में उमड़ा जनसैलाब

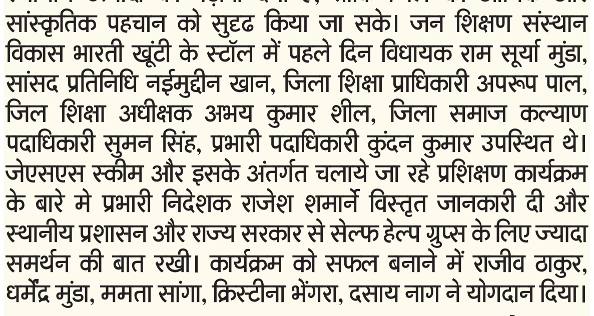

खूंटी (आजाद सिपाही)। बाबा आम्रेश्वर धाम में श्रावणी महोत्सव का समापन शनिवार को हो गया। सावन पूर्णिमा के दिन शनिवार को बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक और श्रावणी मेले का लुत्फ उठाने के लिए बाबा आम्रेश्वर धाम में लोगों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। सावन पूर्णिमा के इस पारंपरिक मेला में जिले के विभिन्न क्षेत्रों सहित अन्य दूर-दराज इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और पूर्णिमा के इस पारंपरिक मेले का आनंद उठाया। दूसरी और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग खूंटी द्वारा भी सूचना सहायता केंद्र सह प्रदर्शनी शिविर लगाकर लोगों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं जिले के पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जा रही थी। इस बीच गत गुरुवार से धाम परिसर में प्रारंभ हुए 48 घंटे के अखंड हरि कीर्तन का समापन शनिवार शाम को हुआ। अखंड हरी कीर्तन के समापन व पूणाहुति के बाद शुद्ध घी से बने प्रसाद लोगों के बीच बांटा गया।

हमें गुरुजी के सपनों को पूरा करना है : सुदीप गुड़िया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कर्रा प्रखंड की गोविंदपुर पंचायत जलगा चौक में आदिवासी दिवस के उपलक्ष में विधायक सुदीप गुड़िया ने अमर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और शिबू सोरेन के सम्मान शोक सभा का आयोजन किया गया। तोरपा विधायक ने कहा कि अभी हम लोग बहुत ही विकट परिस्थिति से गुजर रहे हैं। हमारे अभिभावक आदरणीय गुरु शिबू सोरेन के नहीं रहने से हम लोग अनाथ सा महसूस कर रहे हैं, उनका जाना हमारे लिए अपूरणीय क्षति है जिसकी भरपाई हमारे जीवन में कभी नहीं की जा सकती। उनके नीति सिद्धांत पर चलकर उनके जो सपने थे, उन्हें पूरा करना है। अमर शहीद और गुरुजी के आंदोलन, उनके त्याग के बारे में चर्चा करते हुए विधायक की आंखें भर आयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद उरांव, राहुल केशरी, पूनम बारला, छत्री हेमरोम, मार्शल आईंड, लछुवा लोहरा, द्वारिका केशरी, शंभू शर्मा, रोशन उरांव, केलमेसिया ओड़या, नैपी भेगरा, पूनम कोंनगाडी, सुनीता करकेट्टा, मगदली होरो, तीजनी होरो, बिलासी होरो, कृपा होरो, संजय होरो, बाका लकड़ा, जोहान आईंड, अमर तिड़ू, बिरसा होरो, सुदेश होरो, नामजन होरो सावना होरो, पहान ऐतवा, मुछराय होरो, सोबना इत्यादि लोगों उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

मुरी (आजाद सिपाही)। शनिवार को सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय सिल्ली में शोकसभा आयोजित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गयी। कांग्रेस पदाधिकारीगणों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। इस मौके पर मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नगेंद्र नाथ गोस्वामी, जिला सचिव नागेश्वर महतो, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस उपाध्यक्ष निशाकर महतो, मनीराम दास, महासचिव सैय्यद कमर आलम, भागीरथ महतो, मो कलाम, प्रकाश मुंडा, श्रीप्रसाद बड़ाईक, रोहित मुंडा, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, विधानसभा युवा कांग्रेस प्रत्याशी विकास रजक, सिल्ली अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष शाहबुद्दीन अंसारी इत्यादि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

आदिवासी अधिकारों के प्रति सदा सजग रहें: धर्मगुरु बगरय मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। राष्ट्रीय सरना युवा संघ, खूंटी के तत्वावधान में शनिवार को खूंटी के जोजोटोली में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इससे पूर्व पाहनों की अगुवाई में भगवान सिङबोंगा का पूजा-पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गयी। तत्पश्चात दिसुम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

मौके पर विभिन्न मंडलियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर धर्मगुरु बगरय मुंडा ने कहा कि प्रकृति ने आदिवासियों सबसे समृद्ध एवं शक्तिशाली बनाया है और संविधान ने भी अनेक अधिकार प्रदान किये हैं। हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्थाएं प्रसंशनीय है, परंतु वर्तमान सामाजिक-आर्थिक प्रतिस्पर्द्धा में धीरे-धीरे अपने मूल अस्तित्व व अस्मिता लुप्त होती जा रही है। इससे न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था कमजोर हुई है, बल्कि जल-जंगल-जमीन से भी बेदखल होना पड़ रहा है। आदिवासियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम में मथुरा कंडीर, विश्राम टुटी, सुभासिनी पूर्ति, सुधा मुंडू, चंद्रप्रभात मुंडा, बुधराम सिंह मुंडा, बाजी मुंडा, फागुनी नाग, सुंड़ी हस्सा, बिरसा कंडीर, योगेश वर्मा सहित खूंटी, मुरहू, अड़की, तोरपा, तपकारा तथा आस-पास के गांवों के सरना धर्मावलंबी शामिल हुए।

खरवार भोगता समाज विकास संघ ने मनाया आदिवासी दिवस

खूंटी (आजाद सिपाही)। खरवार भोगता समाज विकास संघ जिला खूंटी के तत्वावधान में यानिवार को विश्व आदिवासी दिवस अमर शहीद नीलाम्बर -पीताम्बर शाही भोगता स्मारक स्थल बिरहु पतराटोली चौक पर श्रद्धा और सादगी पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों को सुकरा प्रधान द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों से समाज के लोगों ने भाग लिया। मौके पर जिला अध्यक्ष भोला भोगता, उपाध्यक्ष रघुनाथ प्रधान, कर्म सिंह प्रधान, सलाहकार लालचंद प्रधान, अभिभावक विश्वनाथ प्रधान, मंगरू प्रधान, लुंदू प्रधान, गुणा प्रधान, अमर प्रधान आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया गांवों का दौरा

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कमेटी कें कार्यकर्ताओं ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को विभिन्न आदिवासी गांवों का दौरा किया और गांवों की समस्याओं से अवगत हुए। गांव के लोगों का कहना है रोड नहीं रहने के कारण बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में स्वास्थ्य संबंधी भी समस्याएं हैं। मुरहू प्रखंड अंतर्गत जाते हासाबेड़ा मामईल बिंदा गुल्लू रूमत्काल आदि गांव का दौरा किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य शाह कांग्रेस उपाध्यक्ष सुशील संगा कांग्रेस के जिला महासचिव सयूम अंसारी, जिला सचिव साबिर अंसारी, अलोक रितेश डूगडूग, रोशन आदि लोगों ने भ्रमण कर गांव की समस्याओं से अवगत हुए।

खलारी में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी महावीरनगर स्थित कमाती धौड़ा सरना स्थल पर शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों एवं लोगों की उपस्थिति में बंधु पाहन ने पारंपरिक तरिके पूजन किया। इसके बाद आयोजन स्थल पर दिवंगत दिशोम गुरू शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान उपस्थित अतिथि खलारी अंचलाधिकारी प्रणव अम्बष्ट तथा खलारी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो, जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, रैयत विस्थापित मोर्चा अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता, पुर्व जिला परिषद सदस्य रतिया गंझू, देवपाल मुंडा, कन्हाई पासी, रामलखन गंझू सहित अन्य लोगों ने बारी बारी से दिवंगत शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। इससे पुर्व मैकलुस्कीगंज से निकाली गयी बाइक रैली भी कमाती धौड़ा सरना स्थल पहुंची

तोडाग मैदान में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

तमाड़ (आजाद सिपाही)। आदिवासी के विभिन्न संगठनों के द्वारा तोडाग मैदान में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम शाही मुंडा शामिल हुए और उन्होंने कहा कि आदिवासी दिवस के अवसर पर दिये गये सिद्धांत और अनुच्छेद जो आदिवासियों के अधिकार के लिए दी गयी है। राज्य सरकार को लागू करना चाहिए आज सबसे बड़ा चुनौती है आदिवासियों का धर्मकोड आदिवासियों की जमीन और उनके संविधान के अधिकार और जब तक संगठित नहीं होंगे। आदिवासी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है, इसलिए गांव गांव जो करके आदिवासियों के बीच बैठेगी जागरूकता करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में अमर सिंह मुंडा सिदाम सिंह मुंडा, पंचानद सिंह मुंडा, मुन्नालाल सिंह मुंडा, अर्जुन सिंह मुंडा रामचरण सिंह मुंडा और डोमन सिंह मुंडा डोमन सिंह मुंडा, विष्णु चरण सिंह मुंडा यादि शामिल हुए।

दामोदर नदी के टेढ़ी पुल से दो माह से आवागमन बंद

जान जोखिम में डाल कर बड़े पुल के ट्रांसपोर्टिंग मार्ग से आवागमन कर रहे हैं लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा दामोदर नदी के टेढ़ी पुल से पिछले दो माह से आवागमन पूरी तरह से बंद है, लोग उसके बगल के ट्रांसपोटिंग पुल से आवागमन करने को मजबूर है। जानकारी के अनुसार बचरा दामोदर नदी और बचरा सपही नदी मे दो पुल है, जिसमें छोटे पुल से लोगों का आवागमन होता है, जबकि बड़े पुल से कोयला ट्रांसपोर्टिंग का काम किया जाता है। जून महीने में कोयलांचल क्षेत्र मे पांच दिनो तक लगातार बारिश होने के कारण 20 जून को बचरा दामोदर नदी के टेढ़ी पुल और बचरा सपही नदी के छलटा पुल में बाढ आने के बाद दोनों पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके कारण दोनों छोटे पुल जर्जर हो गया, इसके बाद स्थानीय सीसीएल प्रबंधन के द्वारा सुरक्षा के दृष्टिकोण से दोनों पुल को बंद कर दिया गया। इसके बाद लोग दोनों नदियों पर बने बड़े ट्रांसपोटिंग पुल से आवागमन कर रहे थे। इस ट्रांसपोटिंग पुल से कोल वाहनों के परिचालन से आये दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बताया गया कि बचरा में रहने वाले सीसीएल कर्मचारी एवं सीसीएल अधिकारी इसी दोनों पुल से अपने कार्य स्थल तक आना-जाना करते हैं। पिपरवार जीएम ऑफिस, अशोक परियोजा, सीएचपी परियोजना, पिपरवार युनिट के सीसीएल कर्मचारी एवं अधिकारी प्रत्येक दिन इसी पुल से ड्यूटी आना-जाना करते हैं। इसके अलावा मगध संघमित्रा और आम्रपाली चंद्रगुप्त के अधिकारी एवं कर्मचारी भी इसी रास्ते अपने कार्य स्थल तक आना-जाना करते हैं। वहीं बेंती, बिजैन, बहेरा, बिलारी, कल्याणपूर, किचटो, कारो, चिरैयांटांड़, टंडवा सहित अन्य जगहों के लोगों का आवागमन भी प्रत्येक दिन इसी पुल से होता है। ऐसे में छोटा पुल बंद होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन के द्वारा बचरा सपही नदी पर बने छलटा पुल की मरम्मति कराकर आवागमण को चालु करा दिया गया है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। हालांकि यह पुल अभी भी कई हिस्सो से जर्जर है, लेकिन छोटे वाहनों के लिए पुल को चालु कर दिया गया है, लेकिन बचरा दामोदर नदी का टेढ़ी पुल मरम्मति के अभाव में अभी भी बन्द है। स्थानीय लोगों ने टेढ़ी पुल की मरम्मति करा कर उसे भी जल्द चालू करने की मांग की है।

सोनाहातू में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के मौजा दुलमी में आदिवासी विकास संघर्ष समिति के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आदिवासी जननायकों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया, साथ ही स्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन के दिवंगत आत्मा को शांति के लिए मोमबत्ती जलाकर दो मिनट मौन धारण किया गया। मौके पर मुंडा कृष्ण कुमार सिंह, रथु सिंह मुंडा, भोलेश्वर सिंह मुंडा, मनोहर सिंह मुंडा, चांद सिंह मुंडा, रवि सिंह मुंडा, मनोज सिंह आदि उपस्थित थे।

सोनाहातू में नहर से युवक का शव बरामद

मृतक का फाइल फोटो

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बारेंदा चौक के समीप मारांगकिरी मोड़ पर कांची नहर से शनिवार सुबह एक 26 वर्षीय युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने युवक के साथ एक पल्सर बाइक जेएच 01 एफजे 4504 भी बरामद किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के जाहेरडीह गांव के 26 वर्षीय अशोक महतो के रूप में हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

ईचागढ़ : सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

मृतक का फाइल फोटो।

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के राष्ट्रीय उच्च पथ 33 पर दारूदा के पास एक अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से शनिवार की तड़के सुबह बाइक सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक की पहचान रांची जिला के तमाड़ थाना क्षेत्र के परासी टोला किसुनपुर निवासी समीर कुमार महतो के रूप में किया गया। घटनास्थल से पुलिस द्वारा उसे इलाज हेतु अस्पताल ले जाया जा रहा था, जहां रास्ते में ही वह दम तोड़ दिया।

गुमटी का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने की चोरी

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के मिलन चौक में शुक्रवार की देर रात को अज्ञात चोरों द्वारा एक गुमटी का ताला तोड़कर गुमटी में रखे बीस्कूट , चाकलेट, कास्मेटिक व अन्य सामग्री को लेकर रफूचक्कर हो गया। महानंद दास का गुमटी में करीब 30-35 हजार का समान को चोरी कर लिया गया। रविवार की सुबह सुचना मिलते ही ईचागढ़ पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटना के संबंध में जानकारी लिया। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह पहले भी मिलन चौक में एक गुमटी को तोड़कर चोरी कर लिया गया था। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। वहीं व्यवसायिक समिति मिलन चौक के सचिव दिलीप कुमार दास ने प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों के खिलाफ कार्रवाई करने का मांग किया है। उन्होंने कहा कि रात्रि गस्ती नही होने से चोरी का घटना को अंजाम दिया जा रहा है।

कोनका में लगा नया ट्रांसफार्मर, बहाल हुई बिजली

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज क्षेत्र के कोनका गांव में दो दिन के बाद नया ट्रांसफार्मर लगने से बिजली पुनः बहाल हो गया। गुरुवार को कोनका में लगा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब हो गया था, जिसके कारण गांव में बिजली की काफी समस्या हो गया था और पूरा गांव अंधेरे में डूब गया था, और बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रहा था। जिसके बाद ग्रामीणो ने शुक्रवार को ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी मैकलुस्कीगंज के समाजसेवी सुरेंद्रनाथ पांडेय को दिया। जिसके बाद सुरेन्द्रनाथ पांडेय के प्रयास के कारण गांव में शनिवार को नया ट्रांसफार्मर मिल पाया। इधर नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद गांव में पुनः बिजली बहाल हो गयी है। आभार व्यक्त करने वाले ग्रामीणो में भोला गंझु, मंगल गंझु, रामलाल गंझु, मंगरू, रामदेव, पुसन, कुलदीपसहित कई ग्रामीणो का नाम शामिल है।

ब्रह्माकुमारी पाठशाला की बहनों ने थाना प्रभारी को बांधी राखी

मुरी (आजाद सिपाही)। ब्रह्माकुमारी पाठशाला सिल्ली द्वारा रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर को मंजू बहन साथ में रेखा बहन ने राखी बांधी। यह रस्म आत्मिक सुरक्षा, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक प्रेम का प्रतीक है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा आध्यात्मिकता पर प्रकाश डालते बताया राखी बांधना केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है, जिसमें भाई-बहन के रिश्ते को ईश्वर के प्रेम, पवित्रता तथा सुरक्षा से जोड़ा जाता है। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र में दिनभर रक्षाबंधन को लेकर लोग गिफ्ट, मिठाइयां, कपड़े, चॉकलेट आदि खरीदते नजर आये।

पिपरवार के कल्याणपुर में श्रद्धांजलि सभा आज

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर बाजारटांड़ स्थित चबूतरा के पास रैयत विस्थापित मोर्चा झारखंड मुक्ति मोर्चा और झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के द्वारा रविवार को सुबह 10:30 बजे से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए मोर्चा के अध्यक्ष इकबाल हुसैन ने बताया कि कार्यक्रम मे झारखंड निर्माता, जननायक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र वीर योद्धा दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी जायेगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी राजनीतिक दल,सामाजिक कार्यकर्ता, जन प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थान के प्रतिनिधि सहित स्थानीय लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

समाजसेवी प्रेम शंकर सिंह का आकस्मिक निधन

बुंडू (आजाद सिपाही)। पांच परगना क्षेत्र के जाने-माने उद्योगपति सह समाजसेवी प्रेम शंकर सिंह का शनिवार को अपने आवास में लगभग 3 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनकी उम्र 85 वर्ष थी वह अपने पीछे दो पुत्र एवं पांच पुत्रियां सहित नाती पोतों छोड़ गये हैं। उनके निधन से बुंडू के उद्योग जगत में शोक की लहर दौड़ गयी है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को कांची नदी के किनारे किया गया उनके ज्येष्ठ पुत्र कमलेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

बुंडू के उप डाकघर में आयी तकनीकी गड़बड़ी के कारण लोगों को हो रही परेशानी

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू के उपडाकघर में आयी तकनीकी गड़बड़ी के कारण लोगों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। यह कठिनाई पिछले 15 दिनों से जारी है। लोगों को पोस्ट ऑफिस डाक सेवा, पैसों का लेनदेन, चिट्ठीपत्री आवागमन, बहनों द्वारा भाई को बांधी जानेवाली राखी भेजने में और पाने में देरी, स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री इत्यादि सारा काम बाधित है। पोस्ट ऑफिस की ओर से बताया जा रहा है कि स्पीड धीमा है। रूक रूक कर काम हो रहा है। ऐसे में लोगों का समय पर काम नहीं हो रहा है। जानकार बताते हैं कि सॉफ्टवेयर आईटी 2-0 में आयी खराबी के कारण उपरोक्त कठिनाई हो रही है। मामला जो भी हो लोगों को दिक्कतें हो रही है। इस संदर्भ में लोगों ने सिस्टम जल्द ठीक कर लोगों को यथाशीघ्र सुविधा मुहय्या कराने की मांग की है।

एसबेस्टस की छत से 30 फिट नीचे गिरे मजदूर की हुई मौत

शव के साथ एसएनएल गेट पर परिजनों का प्रदर्शन, 50 लाख और नौकरी की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के रातू चट्टी स्थित एसएनएल में काम कर रहे एक मजदूर की हादसे में मौत हो गयी। उसकी पहचान कांके थाना क्षेत्र के सिरंगों निवासी सफीक अंसारी के 35 वर्षीय पुत्र सलीम अंसारी के रूप में हुई है। घटना शनिवार की दोपहर 12 बजे की बताई जा रही है। उधर, हादसे में मौत की सूचना पाकर परिजनों के साथ ही सैकड़ो लोग शव लेकर पहुंच गये और एसएनएल गेट को जाम कर प्रदर्शन करने लगे। लोग मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपया मुआवजा और मृतक की पत्नी को नौकरी देने की मांग कर रहे थे। उधर, घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी रामनारायण सिंह भी मौके पर पहुंच गये और कंपनी के मैनेजर से पूछताछ की। जानकारी के मुताबिक सलीम अंसारी के साथ ही तीन-चार अन्य लोग करीब एक महीने से कंपन्नी में रंग पेंट का काम कर रहे थे। शनिवार को सलीम एसबेस्टस से बने हॉल के ऊपर चढ़कर काम कर रहा था। इसी दौरान एसबेस्टस टूट गया और सलीम सीधे 30 फिट नीचे सिर के बल गिर गया। जिससे बुरी तरह घायल हो गया। आनन-फानन में लोग उसे काठीटांड स्थित राजू मेडिकल अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, आक्रोशित लोगों ने शव के साथ कंपन्नी के गेट को जाम कर दिया। उनका आरोप था कि कंपन्नी की ओर से मजदूरों के लिए कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी। इतनी ऊंचाई पर काम करने के लिए सेफ्टी बेल्ट दिया जाता तो आज जान बच जाती। वहीं, हंगामे के बाद एसएनएल कंपन्नी की ओर से मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा दिया गया। साथ ही मैनेजर दिनेश ने नौकरी देने का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद आक्रोशित लोग शांत हुए। बतातें चलें कि मृतक सलीम के दो छोटे-छोटे बच्चे भी है। हादसे के बाद परिजनो का रो- रो कर बुरा हाल है। उधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया।

मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर गेट जाम कर प्रदर्शन करते लोग।

आदिवासी मूलवासी संघर्ष समिति की ओर से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के खरसीदाग मैदान में आदिवासी मूलवासी संघर्ष समिति की ओर से विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस दौरान समिति और आदिवासी समाज के महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। समिति के अध्यक्ष प्रकाश लकड़ा ने कहा कि हम सभी आदिवासी के अभिभावक दिशोम गुरु शिबू सोरेन हमें छोड़कर चले गए। उनका जाना हम झारखंडियों के लिए अपूरणीय क्षति है। वहीं, 52 पड़हा अध्यक्ष प्रदीप तिर्की ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन एक राजनेता होने के साथ ही झारखंड आंदोलन के एक महान योद्धा थे। उनके निधन से राज्य को अपूरणीय क्षति हुई है। इस मौके पर हहाप मुखिया नन्हे कच्छप, रामपुर ग्राम प्रधान लक्ष्मण लकड़ा, पहान जुरा मुंडा, पंसस चामू बेक, सुकरा मुंडा, प्रकाश लकड़ा, पास्कल लकड़ा, अनिल लकड़ा, सुरेश नायक, मरियम लकड़ा, सुशीला भूटकुमार, मशीदास होरो, थिपिल सांगा, चिता कच्छप, अनुज सिंह मुंडा, लालमोहन मुंडा, ज्ञान केरकेट्टा, बिनोद लकड़ा आदि उपस्थित थे।

इटकी में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

इटकी (आजाद सिपाही)। झखरा स्थित सरना स्थल में शनिवार को सरना युवा संघ के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया। इसमें सैकड़ों आदिवासी महिला पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में झखरा सरना स्थल पहुंचे। इसके बाद पहानो की अगुवाई में अपने इष्टदेव की आदिवासी रिति रिवाज से पूजा अर्चना की। इसके बाद धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा, सिद्धू कान्हू, फूलो झानो, डॉ कार्तिक उरांव और वीर बुधु भगत के चित्र पर फूल माला अर्पण कर नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित नारायण उरांव ने बताया कि पूरे विश्व के 93 देश के आदिवासी विद्वानों ने एक मत होकर 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का निर्णय किया। इसका प्रथम अधिवेशन जिनेवा में वर्ष 1997 में किया गया। इस महासभा में भी जल जंगल जमीन के साथ ही अपने पुरखों के बताये ज्ञान परंपरा, सस्कृति को आगे बढ़ने की अपील की। सालों भर आदिवासियों द्वारा अपनी पूजा एवं अन्य कार्यक्रम में प्रयोग में आने वाले सामानों के उपयोग के बारे में भी बताया। वहीं, बीरा उरांव और शुरेश उरांव ने भी अपने-अपने संबोधन में प्रकृति की हवा, पानी, धरती और सूर्य को समृद्ध करने और उसे समृद्धि प्राप्त करने के बारे में बताया। इस मौके पर अजय उरांव, श्रीनाथ उरांव, सावन उरांव, रणजीत उरांव और बधन उरांव आदि मौजूद रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर नवागढ़ में कार्यक्रम आयोजित

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। आदर्श पंचायत नवागढ़ में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में विशेष रुप से जिला परिषद सदस्य अनगड़ा राजेन्द्र शाही मुण्डा उपस्थित थे।कार्यक्रम की सुरूवात ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम देवता का पूजा के साथ भगवान बिरसा मुण्डा के फोटो पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में जल,जंगल एवं जमीन की सुरक्षा के साथ- साथ अपनी परम्परा को बचाये रखने पर सुझाव दिये जो हमारी विरासत के रुप में है। हमारी नेग नियम ही हमारी पहचान है इसलिए विषम परिस्थिति पर भी अपनी परम्परा को सुरक्षित रखना अनिवार्य है। मौके पर मुखिया भुवनेश्वर बेदिया, ग्राम प्रधान महाबीर बेदिया, बालिया बेदिया, राजेन्द्र शाही मुण्डा, विकास कुमार बेदिया, जगदीश भोगता, विवेकानंद सेवा केन्द्र अध्यक्ष संतोष बेदिया, सचिव कमल बेदिया,नरेन्द्रनाथ बेदिया, वार्ड सदस्य गीता देवी, चैती देवी, जीतन देवी, विनय कुमार सिंह मुण्डा, बसंत मुण्डा, आदि उपस्थित थे।

चिरंजीवी किड्स में मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। चिरंजीव किड्स प्ले स्कूल में नन्ही बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने शिक्षकों की मदद से पहले रखी बनाना सीखा और उसी रखी का प्रयोग किया। सभी बच्चों ने भाई-बहनों में प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया। बहनों ने अपने साथी भाइयों को राखी बांधी और मिठायी खिलाई। वहीं, भाइयों ने भी उनकी सुरक्षा का वचन दिया और उन्हें मिठाई खिलाई। इस अवसर पर प्राचार्य निधि कुमारी ने बताया कि हर त्योहार एक संदेश के साथ आता है। उसके मनाने का कुछ न कुछ विशेष कारण होते है। बच्चों के बीच इन त्योहारों के माध्यम से आपसी प्रेम और अच्छे संस्कारों को गढ़ने का प्रयास किया जाता है। यहां नन्हें बच्चे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामाजिकता और आपसी व्यवहार भी सीखते है। आयोजन में प्राचार्य के साथ साथ सहयोगी शिक्षिका रश्मि, कामिनी, रेखा, चंद्रावती और अमोल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अवनींद्र सिंह ने विद्यालय परिवार को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

बेड़ो महादानी मंदिर में सावन के आखरी दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

बेड़ो (आजाद सिपाही)। महादानी मंदिर में सावन पूर्णिमा महोत्सव 24 घंटा अखंड हरि कीर्तन सह भंडारा कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इसके अलावा सावन के अंतिम दिन शनिवार को महादानी मंदिर स्थित महादानी बाबा में पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर उमड़ी रही। अंतिम शनिवार में पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालु रात 12 बजे से ही महादानी मंदिर में लाइन लगाकर जलाभिषेक किये। इधर, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर मंदिर के पुजारी मेघनाथ गिरी ने बताया कि सावन का यह आखिरी दिन होने के साथ ही रक्षाबंधन के कारण श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में पूजा के लिए उमड़ पड़ी। वहीं अखंड हरि कीर्तन सह भंडारा को सफल बनाने में महादानी सेवा सत्संग समिति के संरक्षक महावीर गोप, अध्यक्ष हरनाथ महतो, सचिव सह पुजारी मेघनाथ गिरी, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, ईश्वर बड़ाइक, लिबू बड़ाइक, महावीर सिंह, विकास गोप, संदीप गोप, धनंजय बड़ाइक, बजरंग गोप, राजू सिंह, बादल खत्री आदि की सराहनीय भूमिका रही।

दिशोम गुरु और हरिनारायण सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

नामकुम (आजाद सिपाही)। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे की ओर से दिशोम गुरु शिबू सोरेन और आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी।इस दौरान गहरा दुख व्यक्त करते हुए दोनों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के सचिव मधुसूदन पांडे ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन आदिवासी आंदोलन के अगुआ थे, उन्होंने पूरी जिंदगी गरीबों पर हो रहे शोषण के विरुद्ध आंदोलन किया। वहीं, सत्य की आवाज और कलम की ताकत को बरकरार रखने वाले आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह जी को समाज कभी नहीं भुलेगा। कहा कि जब कभी पत्रकारिता की बात आएगी तो हरिनारायण सिंह जी की पत्रकारिता जगत में उनके योगदानों को हमेशा याद किया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के डॉ बलराम महतो, योग चिकित्सक अनुज कुमार सिंह, पत्रकार अर्जुन प्रमाणिक, सुरेंद्र ठाकुर, अखिल पाठक, राकेश सिंह, राजीव सिंह, संजीव शाह, संदीप पांडे, सुदेश महतो, नरेश महतो, महेश प्रजापति, ललिता कुमारी, सरस्वती कुमारी, रुकमणी कुमारी आदि उपस्थित रहे।

एसएसबी 26 वाहिनी मुख्यालय में मना रक्षाबंधन का त्योहार

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। एसएसबी 26वीं वाहिनी मुख्यालय में शनिवार को सशस्त्र सीमा बल कमांडेंट के नेतृत्व में रक्षा बंधन का पर्व उत्साह और सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कौशल विकास केंद्र, टाटीसिलवे की 33 बहनों ने बल परिसर पहुंचकर जवानों को राखी बांधी और उनके स्वस्थ, सुरक्षित एवं सफल जीवन की कामना की। वहीं जवानों ने भी बहनों को रक्षा एवं सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर 26वीं वाहिनी के कमांडेंट ने कहा कि रक्षा बंधन जैसा पर्व समाज में आपसी विश्वास, भाईचारे और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करता है। यह भी कहा कि सशस्त्र सीमा बल हमेशा बहनों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए तत्पर रहेगा।

अखिलेश यादव 12 को रांची में

रातू (आजाद सिपाही)। उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 अगस्त को रांची आ रहे हैं। दोपहर 12 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने रामगढ़ के नेमरा जायेंगे। उक्त जानकारी सपा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव और जिला अध्यक्ष सिद्दीक अंसारी ने दी।

नगड़ी नारो महतो टोली गांव में 12 घंटे का अखंड हरिकीर्तन का हुआ समापन

- पिछले 41 साल से हर सावन पूर्णिमा पर आयोजित होता आ रहा है अखंड हरिकीर्तन

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी नारो महतो टोली स्थित श्री शांति कुंज बजरंगबली मंदिर परिसर में सावन पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को 12 घंटा का अखंड हरि कीर्तन आयोजित हुआ। आचार्य दीपक पाठक ने यजमान जलधर महतो सपत्नीक को सत्यनारायण कथा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा कराया। इसके साथ ही 12 घंटा का अखण्ड हरि कीर्तन आरंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान रात में प्रसाद वितरण किया गया। गौरतलब हो कि नगड़ी नारो महतो टोली गांव में पिछले 41 साल से हर सावन पूर्णिमा के अवसर पर सत्यनारायण कथा एवं अखंड हरि कीर्तन आयोजित होते आ रहा है। हरि कीर्तन में नारो गांव के सैकड़ों श्रद्धालुओं के रातभर हरि नाम का कीर्तन किया। अखंड हरि कीर्तन को सफल बनाने में मधु महतो, राजेश महतो, राजू महतो, रामानंद महतो, भुनेश्वर महतो, सुबरन महतो, सब बड़ा महतो, उपेंद्र महतो, प्रवीण कुमार, तपोश महतो, कैलेंडर महतो, प्रेम महतो, प्रेमचंद महतो, कलिंदर महतो, चंदन महतो, लक्ष्मीनाथ महतो और कृष्णा महतो आदि का योगदान सराहनीय रहा।

ओरमांझी के चापावार में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

गुरुजी के आदर्शों-नीतियों एवं सिद्धांतों पर चलते हुए आदिवासी समाज को आगे बढ़ाना है : रमेश उरांव

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चापाबार भेलवाटोली में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सलाहकार रमेश उरांव शामिल हुए। जिनका ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान आदिवासी वीर पुरुषों को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। वहीं, दिशोम गुरु के निधन पर आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर नमन किया गया। लोगों ने गुरुजी के आदर्शों, नीतियों और सिद्धांतों पर चलते हुए आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रमेश उरांव ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में 23 दिसंबर 1994 को घोषित किया गया था। इशके बाद नौ अगस्त 1995 से अंतरराष्ट्रीय आदिवासी विश्व दिवस मनाया जाने लगा। कहा कि विश्व आदि दिवस आदिवासियों में एकता, भाईचारा धर्म संस्कृति, रीति रिवाज, सिद्धांतों को बचाए हुए रखने के लिए मनाया जाता हैं। अपने हक अधिकार और सभी क्षेत्रों में उन्नति हो इसके लिए भी जागरूक किया जाता है। इस अवसर पर शामिल सभी महिला पुरुष समाजसेवियों को अतिथियों द्वारा सरना गमछा से सम्मानित किया गया। इस मौके पर रमेश उरांव, तुलसी खरवार, सुरेश प्रसाद साहू, हरिमोहन महतो, समाजसेवी जगमोहन मुंडा, सोनिया देवी, बिरसी देवी, कर्मी देवी, सोमी देवी, जतरी देवी, तनु देवी, बसंती देवी, बुधनी देवी, संगीता देवी, मुन्नी देवी, टूटी देवी, जितेंद्र उरांव, आशीष उरांव, सोमर उरांव, तेतरा उरांव, कार्तिक उरांव अजय उरांव, संदीप पांडया, भेखन उरांव, नुवा उरांव, बिरसा उरांव आदि उपस्थित रहे।

गगारी धाम में लगा श्रावण पूर्णिमा मेला, उमड़ी भीड़

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रकृति के गोद में बसे 5000 फीट की ऊंचाई पर स्थित गगारी धाम में बाबा भोलेनाथ स्थित हैं। धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक महत्व से भी जुड़ा है, क्योंकि यह गांव स्वतंत्रता सेनानी जीतराम बेदिया की जन्मभूमि भी है। सालोंभर यहां दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु पहुंचकर भोलेनाथ को जल अर्पित करते हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त मन से कामना करते हैं, उनकी कामनाएं अवश्य पूरी होती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पवित्र स्थल पर हजारों वर्षों से पूजा-पाठ की परंपरा चली आ रही है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष अनुभव कराता है। यहां पिछले एक महीने से मेला सा माहौल बना हुआ था। बाबा भोलेनाथ धाम गगारी की ओर से श्रावण पूर्णिमा के मौके पर मेला का आयोजन किया गया था। जिसमें आस-पास और दूर दराज से हजारों लोग जुटे थे, जो मंदिर में पूजा के बाद मेला में शामिल हुए। मेला एव सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि ने किया। इसमें पूर्व विधायक रामकुमार पहान, पूर्व उपप्रमुख जयगोविंद साहू, विधायक प्रतिनिधि हहि मोहन महतो, मुखिया धनराज बेदिया, समुद्र पहान, पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, शंकर बेदिया, कामेश्वर बेदिया, विक्रांत तिवारी आदि उपस्थित थे। इसके सफल आयोजन में आयोजन समिति के अध्यक्ष धनेश्वर बेदिया, उपाध्यक्ष संजय तिर्की, सचिव पंकज बेदिया, उपसचिव लक्ष्मण उरांव, कोषाध्यक्ष राहुल महतो, उपकोषाध्यक्ष संजय नायक, मीडिया प्रभारी जितेंद्र बेदिया, रामरतन नायक, संरक्षक धनराज बेदिया, शिव टहल नायक, लालू बेदिया, बालेश्वर उरांव, साधो उरांव, बृजलाल बेदिया, गोवर्धन बेदिया, लक्ष्मण गझु, राजेंद्र बेदिया, तारकेश्वर महतो, महेंद्र नाथ महतो, लक्ष्मण उरांव आदि का योगदान रहा।

अनाथ-दिव्यांग बहनों के साथ मनाया रक्षाबंधन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। अनगड़ा स्थित महर्षि वाल्मीकि दिव्यांग एवं अनाथ कल्याण सेवा संस्था में रक्षा बंधन के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें भाजपा रांची जिला ग्रामीण सोशल मीडिया प्रभारी शशि मेहता, भाजपा नेता अर्जुन सिंह और रविन्द्र कुमार ने संस्था में रह रही दिव्यांग बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर भाई-बहन के पवित्र और अटूट रिश्ते को और मजबूत किया। राखी बांधते समय बहनों के चेहरों पर आई मुस्कान और आंखों की चमक ने यह साबित कर दिया कि सच्चा प्रेम न तो शब्दों का मोहताज है और न आवाज की। इस दौरान उपस्थित समाजसेवियों ने बच्चों और बहनों के साथ समय बिताया। उनसे बातचीत की, मिठाई और विभिन्न खाद्य सामग्री वितरित की। उन्होंने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यहां की व्यवस्था और सेवाभाव वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा है। इस मौके पर शशि मेहता ने कहा कि रक्षा बंधन का सच्चा अर्थ केवल धागा बांधने में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुःख में साथ खड़े रहने में है। इन बहनों का आशीर्वाद हमारे लिए अमूल्य है और हम इनकी खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे।

किसानों के बीच 60 लाख मछली जीरा का वितरण

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप की अनुशंसा पर जिला मत्स्य विभाग की ओर से शनिवार को गोंदलीपोखर में अनगड़ा, नामकुम एवं ओरमांझी प्रखंड के सैकड़ों मत्स्य पालक किसानों के बीच 60 लाख मछली जीरा (बीज) का वितरण किया गया। जिला कृषि, मत्स्य, पशुपालन एवं भूमि संरक्षण विभाग के विधायक प्रतिनिधि सचिन नायक ने जीरा का वितरण किया। सचिन नायक ने विधायक एवं मत्स्य विभाग के इस पहल की सराहना की। कहा कि इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इस जीरा को तालाबों और अन्य जल संचयित जगहों पर छोड़ कर किसान मछली उत्पादन से अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस मौके पर कांग्रेस के युवा नेता जितेंद्र महतो, राजेंद्र मुंडा, जॉन तिग्गा, रमेश उरांव, सोनू उरांव, विश्राम महतो, रज्जाक, अजय, चामू महतो, सूरज करमाली आदि मौजूद थे।

प्रकृति के सबसे बड़े रक्षक आदिवासी हैं : अनुराधा मुंडा

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। भारत मुंडा समाज द्वारा प्रखंड मुख्यालय स्थित बिरसा पार्क में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत मुंडा समाज के लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। समारोह में लोगों ने एक दुसरे को आदिवासी दिवस की बधाई दी तथा आदिवासी संस्कृति, परंपरा, पहचान एवं प्राकृतिक धरोहर को बचाए रखने का संकल्प लिया। मौके पर जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा ने कहा की आदिवासी प्रकृति के सबसे बड़े रक्षक हैं, ये सिर्फ जल, जंगल, जमीन के रक्षक नहीं हैं बल्कि प्रकृति की आत्मा के भी संरक्षक हैं। कार्यक्रम में भारत मुंडा समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुंडा, प्रदेश मिडिया प्रभारी रामसाय मुंडा, सिरका मुखिया रोशन लाल मुंडा, अनगड़ा मुखिया मधुसूदन मुंडा, चतरा के पूर्व मुखिया सोहन मुंडा, श्याम पाहन, अर्जुन पाहन, रतिलाल मुंडा, सीताराम मुंडा, झल्लू मुंडा, लक्की मुंडा समेत भारत मुण्डा समाज अनगड़ा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

लापुंग में रक्षाबंधन और सावन पूर्णिमा के अवसर पर शिवालयों में किया गया जलाभिषेक

लापुंग (आजाद सिपाही)। सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। भाई बहन के प्यार का त्योहार रक्षा बंधन पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांध कर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने बहन की सुरक्षा करने का वचन दिया। दूसरी ओर, श्रावण माह के अंतिम दिन कस्बाई इलाको के देवालयों में सुबह से ही लोगों ने पूजा पाठ की। इस दौरान सभी शिवालय हर हर महादेव से गूंजते रहे। लापुंग के घाघारी धाम, बाबा बनखंडी धाम, गलगली धाम के अलावे अन्य स्थानों में श्रद्धालुओं का ताता जलाभिषेक के लिए लगा रहा। घाघारी धाम में पूजा पाठ के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को खीर पूड़ी का प्रसाद दिया गया। इसके आयोजन में घघारी धाम प्रबंधन कमेटी के अलावे श्रद्धालु भक्तों ने भी सहयोग किया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग 8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार दुष्कर्म करने जैसी हैवानियत करने वाले को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि विगत मंगलवार को बच्ची खेलने गयी थी और उसी दरम्यान बारिश होने लगी तो बच्ची को अकेला देख लक्ष्मण सिंह के पुत्र 35 वर्षीय बलदेव सिंह बच्ची को अपने घर के अंदर ले गया और उसे मिठाई खिलाया, जिसके बाद बच्ची बेसुध हो गयी। बच्ची के घर नहीं लौटने पर उसकी मां उसे ढूढने लगी फिर रात लगभग साढ़े दस बजे बच्ची मिली। बच्ची को चलने में तकलीफ हो रही थी और थोड़ी चोट भी लगी थी। लेकिन बच्ची ने उस समय घटना के संबंध में कुछ नहीं बताया। फिर पीड़िता बच्ची ने शुक्रवार रात अपनी मां से बताया कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर उसे किसी को नहीं बताने का धमकी भी दी थी, जिससे बच्ची काफी डरी हुई थी। शनिवार को पुलिस को बच्ची और उसकी मां ने मामले से अवगत कराया। बच्ची इतना डरी हुई थी कि पुलिस के सामने भी उसका चेहरा में डर दिख रहा था। बाद में बच्ची ने बताया कि उसके साथ बलदेव सिंह ने दुष्कर्म किया था। बसिया पुलिस द्वारा पूरे मामले को काफी गंभीरता से लेते हुए तुरंत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पत्नी की मौत 9 वर्ष पूर्व हुई थी। उसका एक बच्चा भी है। ग्रामीणों की माने तो पत्नी की मौत का आरोप भी आरोपी पर लग चुका है। मगर इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। लेकिन पत्नी की मौत के मामले में आरोपी को संदिग्ध माना जाता है।

आदिवासी सभ्यता है विश्व की प्राचीन धरोहर : चैतू उरांव

विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेसियों ने आयोजित किये कई कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। विश्व आदिवासी दिवस पर जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष चैतू उरांव के नेतृव में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा एग्रो पार्क में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही नारेबाजी की गयी। इसके बाद परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम के समीप परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि दी गयी। तत्पश्चात स्थानीय परिसदन में चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष चैतू उरांव ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आज सभी जगह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविध संस्कृति, परंपराओं, भाषाओं और समाज के अलग-अलग समुदायों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं हमारे आदिवासी समुदाय न केवल प्रकृति के करीब रहते हैं। बल्कि हमारी विरासत, लोक कथाओं और पारंपरिक ज्ञान को भी पीढ़ी दर पीढ़ी संजोकर रखते हैं। हर साल 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आदिवासी लोगों के अधिकारों की रक्षा करना, उनके योगदान को सम्मान देना और समाज में उनके महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी हितों को लेकर लगातार मुखर रही है। उनके हितों की रक्षा और विकास को लेकर कृतसंकल्पित है। इस मौके परजिला अध्यक्ष चैतू उरांव फिरोज आलम, आफताब आलम लाडले, आरिफ हुसैन अख्तर, मो मीरा, मो खुर्शीद आलम, मो मिन्हाज, तरुण गोप, क्रिस्टीना, ज्योति, मो गुलाम सरवर मो कलाम, मो सय्यद खालिद, मो मोख्तार, तेजश गोप, लालू कुल्लू, बबलू खान आदि लोग उपस्थित थे।

मिक्सर मशीन से टकरायी बाइक, छात्र की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर के पास 17 वर्षीय छात्र अमीष मिंज पिता विनोद मिंज ने सड़क के किनारे रखे मिक्सर मशीन को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक छात्र डुमरी थाना क्षेत्र के हर सरी पड़की टोली गांव का रहने वाला था। शुक्रवार की शाम चैनपुर से फुटबॉल मैच खेलकर बाइक से अपने घर लौट रहा था तेज रफ्तार होने के कारण वह अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे रखे मिक्सर मशीन को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गुमला रेफर कर दिया गया। शुक्रवार की रात 10:30 बजे उसे सदर अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में उसका एक पैर टूट गया था साथ ही शरीर के अंदरूनी हिस्से में गंभीर चोट लगी थी। छात्र प्लस टू टांगर डीह डुमरी स्कूल में 12वीं की कक्षा में पढ़ाई करता था।

रब्बानी ट्रस्ट और जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन ने स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। बज्मे रब्बानी ट्रस्ट और नगर परिषद गुमला द्वारा संचालित जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन ने स्वास्थ्य जांच शिविर, चिकित्सक, दवाएं व सहकर्मी प्रदान करने के लिए सिविल सर्जन से मुलाकात कर मांग की है। मौके पर कमेटी ने श्री चौधरी को बताया कि नगर परिषद के सभी 22 वार्डों में कुल छह स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन करने की योजना है। बरसात के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियों से रक्षा को को ध्यान में रखते हुए हुए स्वास्थ्य शिविर लगाने की योजना बनायी गयी है। शिविर में डायबीटीज, ब्लड प्रेशर, बुखार, खांसी आदि सभी मरीजों का जाँच और दवा निःशुल्क वितरण किया जायेगा। स्वास्थ्य जांच शिविर विभिन्न वार्डों में सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित की जाएगी। जिससे उक्त वार्ड के निवासी अपनी कई बीमारियों की निःशुल्क जांच करा सकेंगे तिथिवार आयोजित होने वाले जांच शिविरों के लिए एक चिकित्सक, तीन स्टाफ नर्स और सरकार के माध्यम से सप्लाई होने वाली जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी गयी। मौके पर सिविल सर्जन श्री चौधरी ने बज्मे रब्बानी ट्रस्ट और जिज्ञासा सिटी लेबल फेडरेशन की सराहना करते हुए हर संभव मदद करने की बात कही। मौके पर बिमला देवी और ट्रस्ट के अध्यक्ष फिरोज अली रब्बानी, स्टेट सेक्रेटरी शादाब रब्बानी, जिला सचिव साहेब रब्बानी, तहसीन रब्बानी मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर डॉ भीमराव अंबेडकर और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। शनिवार को प्रखंड में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन बेरियर बगीचा मांझाटोली में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम प्रखंड परिसर में स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर और बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण किया गया ततपश्चात महदनिया टोंगरी मांझाटोली में स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात शंख मोड़ मझांटोली में पंखराज साहेब बाबा कार्तिक उरांव की आदमकद प्रतिमा के पास विधिवत पूजा पाठ बैगा मंगरु मुण्डा,महतो महेंद्र उरांव के द्वारा किया गया। तत्पश्चात प्रतिमा में माल्यार्पण प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रधान हंसदाक और उप प्रमुख दीपक कुजूर के द्वारा किया गया। शंख मोड़ से सांस्कृतिक गीत भजन करते हुए बेरियर बगीचा मांझाटोली कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जहां मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मंचीय कार्यक्रम के पूर्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया गया। मंचीय कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, संस्कृतिक नाच, गान चुनिंदा गांव के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि जिप सदस्य रश्मि मिंज ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस प्रकृति प्रेमियों व आदिवासियों के लिए गौरव का क्षण है। आज पृथ्वी का तापमान प्रतिवर्ष बढ़ते जा रहा है, झारखंड हिल स्टेशन के रूप में प्रसिद्ध था यहां का मौसम बहुत ही सुहाना था यहां देश विदेश से लोग पर्यटन के लिए घुमने आते थे। फैक्ट्री औौधोगिक, शहरीकरण के नाम पर अनगिनत पेड़ पौधों को काटा गया है इसका दुष्परिणाम प्रकृति का पलटवार आज हमारे सामने है। आज पर्यावरण असंतुलित हो गया है। उन्होंने सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक संस्कृतिक धार्मिक राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपील किया।

चैनपुर में रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

चैनपुर (आजाद सिपाही)। श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर शनिवार को पूरे चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में मिठाइयों, राखियों और उपहारों की खरीदारी को लेकर चहल-पहल बनी रही। घर-घर में पूजा की थालियां सजाई गईं, बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट किए और जीवनभर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। जगह-जगह परिवारजन पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे एकत्र हुए, जिससे पर्व की रौनक और बढ़ गयी। मिठाई की दुकानों में दिनभर भीड़ का माहौल रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रक्षाबंधन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस दिन भाई-बहन के रिश्ते में नई ऊर्जा और अपनापन का संचार होता है। ग्रामीण इलाकों से लेकर कस्बों तक, हर जगह रक्षाबंधन के रंग बिखरे नजर आये। बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

भाइयों ने बहनों की रक्षा का लिया संकल्प

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को रक्षाबंधन का पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार देकर सुरक्षा का वचन दिया। सावन माह के अंतिम दिन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में भक्तों ने जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। खासकर देवाकी बाबा धाम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल रहा, जहां महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने श्रद्धापूर्वक पूजा संपन्न की। रक्षाबंधन और सावन के अंतिम सोमवार के संयोग ने पूरे क्षेत्र का वातावरण धार्मिक और उत्सवी बना दिया। स्थानीय प्रशासन की सतर्कता और ग्रामीणों के सहयोग से पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

बसिया में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड परिसर में भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। फिर थाना चौक स्थित स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद तेलंगा खड़िया और कुम्हारी तालाब चौक स्थित शहीद विजय सोरेंग के प्रतिमा में माल्यापर्ण किया गया। रेफरल अस्पताल के समीप सरहुल अखाड़ा में भी कार्यक्रम आयोजित कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया।इस अवसर पर जिप सदस्य बसंती डूंगडुंग,एसडीओ जयवंती देवगम, बीडीओ सुप्रिया भगत, मुखिया एमलेन कुल्लू,गुलशन टेटे, वीर वंशीपाल बड़ाइक, रितवा कुल्लू, दुर्गा पहान, प्रमुख जगरानी तिग्गा,दिनेश चंद पहान समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

हराटोली में नहीं बनी पक्की सड़क, आवागमन में परेशानी

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड मुख्यालय से 2 किलोमीटर की दूरी स्थित हराटोली गांव है। जहां लगभग 100 परिवार निवास करते हैं। लेकिन आजादी के 78 वर्ष गुजर जाने के बावजूद प्रखंड मुख्यालय से हराटोली गांव तक पक्की सड़क का निर्माण आज तक नहीं हो चुका। जानकारी के लिए बता दें कि परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का के सम्मान में बने जारी प्रखंड बना है लेकिन मुख्यालय से कुछ ही दूरी स्थित हराटोली गांव जहां के ग्रामीण आज भी पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं जो काफी चिंताजनक मामला है। इस गांव में बरसात के दिनों में चार चक्का वाहन नहीं जा सकती है जिसका कारण है कि इस गांव तक पहुंचने के लिए कच्ची सड़क पर पंचायत फंड से जगह-जगह पुलिया का निर्माण कराया गया था। लेकिन पुलिया अब क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिस कारण से चार चक्का वाहन इस गांव में नहीं जा सकती है। सुमित मिंज, अलबिनुस केरकेट्टा, अमर मुण्डा,मनकू मुण्डा, ललित किण्डो,ग्लोरिया मुंडाइन, सुनिता केरकेट्टा,उषा टोप्पो, खोरस बाड़ा,बिरसाय मुण्डा, सुनसाय मुंडा सहित कई लोगो ने कहा कि प्रखंड मुख्यालय से सटे हराटोली गांव है लेकिन आज तक हम सभी ग्राम वासी कच्ची सड़क में ही चल रहे हैं। जो काफी दुख की बात है।सभी तरफ पक्की सड़क बन रही है। लेकिन हमारे गांव तक किसी प्रकार की कोई पक्की सड़क नहीं है। वही इस गांव के बाद में संत जॉन मेरी बियानी स्कूल नुकरुडीपा स्कूल है। जो पिछले कई सालों से बुमतेल, जर्मना, डुमरटोली, जारी, तोगो, कोड़ी, सीकरी गांव के सैकड़ो बच्चे इस स्कूल में अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

केउंदटोली में कुएं से शव बरामद

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सुरुहू केउंदटोली में एक कुएं से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कामडारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव सुरुहू केउंदटोली में शनिवार की सुबह में ग्रामीणो ने देखा कि ग्रामीण जोसेफ केरकेट्टा के कुएं पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैर रहा है। वह कुंआ गाँव से बाहर लगभग 300 मीटर की दूरी पर अवस्थित है और अनुपयोगी है। वहीं कुएं पर शव देखने के ग्रामीणो ने तुरंत कामडारा पुलिस को इसकी सूचना दी। वहीं खबर लगते ही कामडारा पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद शव को कुऐं से बाहर निकालने के बाद शव के शिनाख्त के प्रयास मे जुट गयी है। मृतक व्यक्ति के शरीर पर काले रंग का गंजी और नीचे काले रंग का निकर है। समाचार भेजे जाने तक शव का शिनाख्त नहीं पाया था। थाना प्रभारी शशि प्रकाश ने कहा कि शव का शिनाख्त होते ही उक्त पूरे मामले का उद्भेदन कर ली जायेगी।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गंदगी बनी समस्या

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम लरंगो में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के परिसर में गंदगी इन दिनों सुर्खियों पर है चारों ओर झाड़ियां व बड़े बड़े घास फूस उग आये हैं जिसकी साफ सफाई की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है वहीं विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को हमेशा जहरीले सांप बिच्छू के काटने का खतरा बढ़ गया है। दो वर्ष पूर्व श्री हरि वनवासी विकास समिति झारखंड फंड द्वारा 50 लाख रुपए की राशि से निर्माण किए गए भवन जर्जर स्थिति में आ गई है। भवन की दीवारों पर दरारें पड़ने लगी है जबकि भवनों का निर्माण स्वयं प्रधानाचार्य ने कराया था। विद्यालय के प्रबंधन समिति के सदस्यों का कहना है कि भवन निर्माण से पहले समिति की कोई बैठक नहीं हुई है और न ही किसी तरह का सूचना दिया गया है। भवन निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है घटिया रॉ मैटेरियल का इस्तेमाल किया गया है जिसके कारण इतनी कम समय में दीवारों पर दरारें पड़ने लगी है। साथ ही विद्यालय परिसर में झाड़ियों के वजह से स्कूली बच्चों को सांप बिच्छू के काटने का खतरा बना हुआ है लेकिन प्रधानाचार्य का इस ओर कोई ध्यान नहीं है कुछ दिन पूर्व ही सूर्यांशु साहु पिता विष्णु साहु का गिरकर हाथ टूट गया है इसपर प्रधानाचार्य की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में कभी भी अभिभावकों की बैठक नहीं बुलाई गई जिस कारण विद्यालय और अभिभावकों में समन्वय स्थापित नहीं हो सका और तो और विद्यालय की समस्याओं को लेकर कभी समिति की बैठकें नहीं करायी जाती है जबकि विद्यालय के देखभाल के लिए ही विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। लेकिन उसका कोई रोल नहीं है क्योंकि प्रबंधन समिति में अपने ही परिवार के सदस्यों को शामिल किए हुए हैं। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि समिति में अपने ससुर, सास, और बेटी भतीजे को शामिल कर लिया गया है जो कि यह नियम के विरुद्ध है। प्रधानाचार्य सारा प्रबंध स्वयं ही देखते हैं और अपनी मनमर्जी चलाते हैं। इस संबंध में प्रधानाचार्य से जब पूछा गया तो उन्होंने संतोष जनक जवाब नहीं दिया। उनके बातों से विद्यालय के प्रति उनकी गैर जिम्मेदारी झलक रही है। जब इस मामले पर प्रांत के अधिकारी सुदन मुंडा से बात करना चाहा तो उन्होंने फोन काट दिया और कोई जवाब नहीं दिया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष जस्सी मुंडा, संरक्षक बल्कु साहु, अभिभावक प्रतिनिधि सुरेन्द्र साहु, सदस्य जयराम उरांव, संतोष साहू ,विष्णु साहू,रवि उरांव,मनोज उरांव, लकी साहू, रिंकी देवी,विमला देवी, मधु देवी, शिवलाल साहू, सुदामा साहु सहित कई सारे ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुए कई कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया। 9 अगस्त को गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज ने विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और जोश के साथ मनाया। यह कार्यक्रम संस्थान परिसर में आयोजित किया गया, जहां प्राचार्य डॉ. शिबा नारायण साहू, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अजीत कुमार शुक्ल और प्लेसमेंट एवं ट्रेनिंग इंचार्ज अमित रंजन ने दीप प्रज्वलित किया और छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की। इस समारोह में संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा दो दिनों, अर्थात 6 और 7 अगस्त, को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस समारोह में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना और छात्रों में एकता की भावना को बढ़ावा देना था। समारोह के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने आदिवासी जीवन और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाली एक चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की सजीव और कल्पनाशील कृतियों ने आदिवासी विरासत के सार को उकेरा।एक निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के विभिन्न आदिवासी समुदायों, उनके इतिहास, परंपराओं और योगदान के बारे में ज्ञान का परीक्षण किया गया। आदिवासी गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की मधुर आवाज ने वातावरण को गूंजायमान कर दिया जब उन्होंने पीढ़ियों से चले आ रहे आदिवासी गीत गाए। इस अवसर पर, प्रधानाचार्य डॉ शिबा नारायण साहू ने शिक्षा, स्वास्थ्य, मानवाधिकार, पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आदिवासी संस्कृतियों के संरक्षण और सम्मान के महत्व पर अपने विचार साझा किए। छात्रों को संबोधित करते हुए, उन्होंने विभिन्न समुदायों के बीच समावेशिता और समझ को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थान की भूमिका पर जोर दिया।

समारोह में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के झखरा कुंबा स्थल पर विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को भव्य सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ हुई, जिसमें समाज के वरिष्ठ सदस्य और युवा दोनों ने भाग लिया। दिनभर विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रतियोगी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिनमें क्विज प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, दोना-पत्तल सिलाई, फैशन शो और ग्रुप डांस जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं शामिल थीं। सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को मंच पर पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर सेवानिवृत्ति रेलवे अधिकारी रविंद्र भगत ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान देने का आग्रह किया, ताकि समाज की प्रगति और मजबूती सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में पारंपरिक नृत्य और गीतों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। झखरा कुंबा स्थल पर दिनभर उत्सव, भाईचारे और सांस्कृतिक गौरव की झलक देखने को मिली, जो लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा। इस अवसर पर जेपीएससी प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित आलोक पन्ना को समाज की ओर से विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस आयोजन में समाज के सक्रिय सदस्यों में कुंदन उरांव, हेमंत उरांव, सुरेश उरांव, लालदेव नगेसिया, विनोद भगत, वीरेंद्र उरांव, महेंद्र उरांव, मोकेश्वर नाग, हिमांशु आरे, लाल उरांव, सोनू उरांव, बुदु टोप्पो, रमेश उरांव, कन्हैया भगत, सुरेश टोप्पो, विनीत कुमार, विवेक उरांव, सुजीत कुजूर सुनील देवी, प्रियंका देवी और ज्योति देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 10 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in
11

बरवाअड्डा थाना के नवनिर्मित भवन का हुआ शुभारंभ, विधायक, डीसी एवं एसएसपी ने किया उद्घाटन

पुलिस व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं जनता के अनुकूल बनेगी : एसएसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। कृषि बाजार परिसर में संचालित बरवाअड्डा थाना को उदयपुर के जोड़ापीपल क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। विश्व आदिवासी दिवस एवं श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शनिवार को विधिवत पूजा कर नये थाना भवन में प्रवेश किया गया। इस अवसर पर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, डीसी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर बरवाअड्डा थाना के नये भवन का उद्घाटन किया। झारखंड पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के सौजन्य से नवनिर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस नये मॉडल थाना भवन में आगंतुकों के लिए

नये थाना भवन का उद्घाटन करते सिंदरी विधायक, डीसी, एसएसपी एवं अन्य।

प्रतीक्षालय, महिला पुलिसकर्मियों के लिए पृथक एवं सुरक्षित आवासीय सुविधा, स्वच्छ पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था और कार्यालय संचालन के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया गया है। उदयपुर में नवनिर्मित बरवाअड्डा थाना भवन भवन में थाना प्रभारी का कक्ष, प्रतिक्षालय, सहायता केंद्र, सिरिस्ता, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, महिला हाजत, पुरुष हाजत, सभागार, जवानों एवं पदाधिकारी के लिए आराम गृह, रसोई, शौचालय, इंट्रोगेशन रूम, वायरलेस रूम, सीसीटीएनएस सहित अन्य सभी सुविधायों को ध्यान में रखने हुए नये थाना भवन का निर्माण कराया गया है। इस अवसर पर विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि विभिन्न कठिनाइयों एवं संसाधन के आभाव के बावजूद पुलिस के जवान जनता की सेवा-सुरक्षा में अपना योगदान देते आ रहे हैं। ऐसे में थाना का नया भवन बनने से यहां कार्यरत पुलिसकर्मियों को काफी सुविधा होगी। जबकि डीसी ने कहा कि नया थाना भवन काफी सुविधाजनक है। उन्होंने हाईवे से थाना तक अप्रोच रोड के शीघ्र निर्माण कराये जाने की बात कही। कहा कि इस पूरे मार्ग एवं आसपास के इलाकों में स्ट्रीट लाइट भी जल्द लगाया जाएगा। वहीं, एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि नये भवन के माध्यम से पुलिस व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं जनता के अनुकूल बनेगी। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि भविष्य में भी किसी तरह की परेशानी न हो इसे ध्यान में रखते हुए थाना को और भी अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों से अपील करते हुए जनता की सेवा और सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। इस मौके पर डीएसपी धीरेंद्र नारायण बंका, डीएसपी नौशाद आलम, निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला, डीएसपी ट्रैफिक अरविंद सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार, बरवाअड्डा थाना प्रभारी रजनीकांत आदि मौजूद रहे।

जमुनिया कोलडंप में दो गुटों के बीच तनातनी, कोयला उठाव बंद

धनबाद (आजाद सिपाही)। ब्लॉक दो क्षेत्र के जमुनिया कोलडंप में रंगदारी के खिलाफ झामुमो समर्थक के मुखर होने के बाद दो प्रभावशाली गुटों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। इस कारण कोयला का उठाव बंद है। इससे यहां कार्यरत 54 दंगल के लोकल सेल के मजदूर भूखमरी के कगार पर हैं। दो गुटों की लड़ाई में मजदूर पीस रहे हैं। बताया जा रहा कि ट्रेंच-5 कोल का उठाव के लिए मां कामाख्या कोल कंपनी के डीओ धारक ने 500 टन का डीओ लगाया है, लेकिन दूसरे प्रभावशाली गुट के समर्थकों द्वारा 1300 प्रति टन रंगदारी मांगे जाने पर डीओ धारक की ट्रक लोडिंग होने नहीं दी जा रही है। डीओ धारक अपना ट्रक अंतर ले भी जाते हैं तो प्रबंधन कोयला

उपलब्ध नहीं कराता है। पिछले 15 दिनों से यह सिलसिला जारी है। इससे कोलडंप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। सुरक्षा के लिए सीआइएसएफ के जवान तैनात हैं।

दोनों गुट के समर्थक हुए आमने-सामने

कोयला उठाव को लेकर शुक्रवार को दोनों गुटों के समर्थक आमने-सामने हो गये थे। हालांकि मजदूरों की सूझबूझ से झड़प टल गया। कोयला व्यवसाय सह झामुमो के केंद्रीय सदस्य डब्ल्यू महथा ने कहा कि रंगदारी की बजाय बोनस के तौर पर मजदूरों का लोडिंग दर बढ़ा कर दे देंगे। फिर भी अगर कोयला उठाव पर किसी तरह अवरोध पैदा होता है, तो रंगदारों को मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

बोकारो महिला समिति का मना 61वां स्थापना दिवस, कई कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (आजाद सिपाही)। महिला समिति का 61 स्थापना दिवस कार्यक्रम शनिवार को बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास स्थित मेन ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया। जिसकी शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ शउरु हुआ। इस दौरान अतिथियों का स्वागत पौधों एवं पुष्प गुच्छ देकर किया गया। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशाषी निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समिति की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य महाप्रबंधक, सीनियर ऑफिसर्स, सदस्य, टीचर्स, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बोकारो महिला समिति की अध्यक्ष अनीता तिवारी ने सभी को बधाई दी और दर्शकों के साथ समिति द्वारा किये जा रहे नेक कार्यों को

साझा किया। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी प्रतिभागियों और समिति की सदस्याओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन और उसकी रूपरेखा सांस्कृतिक सचिव श्र्वेता कुमार ने किया। जिन्होंने 'समिति गान' से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी द्वारा स्वरबद्ध तरीके से वर्तमान अध्यक्ष अनीता तिवारी के कार्यकाल में हुई गतिविधियों की 'झलकियां' दिखाई गईं। वहीं, समिति की ओर से संचालित दो विद्यालय बालमंदिर और सौरभ शिशु मंदिर की छात्राओं ने असमिया एवं महाराष्ट्र के खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किये। सुरभि मसाला केंद्र की कर्मियों ने सावन के नृत्य एंव गान के साथ ही स्वावलंबन उद्योग केंद्र की वर्कर्स ने नृत्य नाटिका और गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि की ओर से 'बेस्ट वर्कर्स' अवॉर्ड दिया गया। समिति की स्थापना दिवस को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया,उपाध्यक्ष अंजलि तिवारी, उप सचिव रूपांशी श्रीवास्तव, सुरभि प्रभारी अनिशा झा, सिलाई प्रभारी प्रीति राजेश, विद्यालय प्रभारी नीतू सुनीत, आशा राज, समिति सदस्या कल्पना वर्मा, समिता मोहंती और यामिनी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लायंस क्लब ने आरपीएसएफ जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

धनबाद (आजाद सिपाही)। लायन्स क्लब सवेरा ने इस वर्ष भी आरपीएसएफ कैंप में जवानों के साथ रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। इस दौरान आपरेशन सिंदूर में प्रमुख भूमिका निभाने वाले जाबांज सैनिक उत्तम कुमार गुप्ता और साहू समाज की अध्यक्ष रीना सिंह भी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहीं। लायन्स क्लब धनबाद सवेरा की बहनों ने जब आरपीएसएफ जवानों की कलाई पर राखी बांधी तो माहौल भावनात्मक हो गया। जवानों के आंसू तो छलके ही, सहायक समादेष्टा विजय शंकर सिंह भी भावविभोर हो गये। उन्होंने कहा कि मेरी कोई बहन नहीं है। आज

मैं लायन्स क्लब धनबाद सवेरा की बहनों के हाथ से राखी बंधवा रहा हूं। आज मुझे मेरी बहन मिल गयी है। वहीं, समादेष्टा जेम्स पाल किंडो ने कहा कि जवान ड्यूटी पर रहने के कारण रक्षा बंधन में अपने घर नहीं जा पाते हैं। ऐसे में सवेरा का प्रयास जवानों को बहनों की कमी नहीं खलने देता है। वहीं, सैनिक उत्तम कुमार गुप्ता ने ऑपरेशन सिंदूर की दास्तां सुनाकर सभी जवानों में एक नया जोश भरा। कहा कि जब लायन्स जैसी संस्थाए प्रेरणास्त्रोत बनकर सामने आती हैं तो सैनिक की ताकत दोगुणा हो जाती है। इस मौके पर डीआई दिनेश मणि तिवारी, नीतू सिंह, मीना देवी अग्रवाल और दिनेश पूरी आदि उपस्थित रहे।

बाइक सवार युवकों को ट्रक ने पीछे से कुचला, दो की हुई मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चंदनक्यारी रोड स्थित पकोड़ी मोड़ के पास शनिवार को हुए हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। इधर, हादसे के बाद चालक ट्रक मौके पर छोड़कर भाग निकला। मृतकों की पहचान चंदनक्यारी के बनगड़िया निवासी अजित हांसदा और अमित हांसदा के रूप में हुई है। जबकि घायल युवक सनीचर हेमब्रम का इलाज अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने चंदनक्यारी-चास मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने ट्रक के शीशे भी तोड़ दिये। उधर, घायल सनीचर हेमब्रम के दोस्त पंकज ने बताया कि सभी दो बाइक से विश्व आदिवासी दिवस का जुलूस देखकर लौट रहे थे। अजित, अमित और सनीचर एक ही बाइक पर सवार थे। जबकि मैं दूसरी बाइक पर बैठा था। जैसे ही पकोड़ी मोड़ के पास पहुंचे, तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से तीनों की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक के पहिए अजित और अमित के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर, हंगामें की खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस्पातनगरी में उतरेगी मिथिलांचल की अनुपम छटा विद्यापति स्मृतिपर्व समारोह का आयोजन नवंबर में

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो में एक बार फिर मिथिलांचल की सांस्कृतिक एवं कलात्मक परंपरा का अनुपम समागम देखने को मिलेगा। नवंबर महीने में यहां विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। इसमें स्थानीय एवं बाहर से आमंत्रित लब्ध-प्रतिष्ठित कलाकारों के कार्यक्रम आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। गीत-संगीत, नृत्य एवं नाटक के जरिए मिथिला-मैथिली क्षेत्र की अद्भुत छटा उतरेगी। इस आशय का निर्णय मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। नगर के सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में आयोजित उक्त बैठक की

अध्यक्षता परिषद के निदेशक मंडल संयोजक राजेन्द्र कुमार और संचालन महासचिव नीरज चौधरी ने किया। बैठक में सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के साथ ही सांगठनिक सशक्तीकरण पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। महासचिव ने बताया कि उक्त समारोह पूर्व में स्थगित हो गया था, जिसे अब समाज के लोग मिलकर पूरे धूमधाम से मनाएंगे। इसका आयोजन पूर्व की भांति परिषद की ओर से संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के परिसर में ही होगा। बैठक में सर्वसम्मत विचारोपरांत सुनील मोहन ठाकुर, शंभु झा एवं सुशील कुमार झा को स्थायी आमंत्रित सदस्यों के रूप में चयनित किया गया। इस मौके पर निदेशक मंडल सदस्य कृष्ण चंद्र झा, विजय कुमार झा, विद्यालय के सचिव दिलीप कुमार झा, गोविंद कुमार झा, गणेश झा, आनंद मिश्र, अविनाश कुमार झा, मिहिर कुमार झा, सुनील मोहन ठाकुर, सुशील कुमार झा, प्रदीप कुमार, मिहिर मोहन ठाकुर, तरुण चौधरी, दीपक और अरुण पाठक आदि मौजूद रहे।

जिप सदस्या ने डीसी-डीएसपी को बांधी राखी

डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने रक्षाबंधन पर डीसी रामनिवास यादव, गिरिडीह डीएसपी नीरज सिंह और निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार को राखी बांधी। जिप सदस्या ने बताया कि हमारा भी यह कर्तव्य बनता है कि भाई बहन के अटूट पर्व रक्षाबंधन के दिन जिला में पदस्थापित अधिकारियों की कलाई में राखी बांधी जाय, ताकि जिलेवासियों की सेवा में लगे पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को बहन की कमी महसूस ना हो। बताया जा रहा कि जिप सदस्या विगत 10 वर्षों से जिले एवं प्रखंड के अधिकारियों को रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रक्षा सूत्र बांधते आ रीह हैं।

समारोह आयोजित कर गुरुजनों को किया गया सम्मानित

बोकारो (आजाद सिपाही)। संस्कार भारती की बोकारो जिला इकाई की ओर से सेक्टर-1 स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में शनिवार को वार्षिक गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महामंत्री स्वरुप शेखर पांडेय ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कहा कि संस्था की ओर से प्रति वर्ष गुरु सम्मान समारोह का आयोजन होता है। वहीं, कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष अमर सिन्हा, साहित्य प्रमुख अरुण पाठक, नृत्य प्रमुख रजनी पाढ़ी आदि ने की। आदित्य कुमार ने राम सिया राम एवं सत्यम शिवम सुंदरम... गीत की सुमधुर प्रस्तुति की। आरआर नृत्यशाला के विद्यार्थियों रेवंत पाढ़ी, दीपिका कुमारी, अरण्या श्री, अनुषा घोष, जिज्ञासा राउत, परी कुमारी और ऋषभ चौबे ने गुरु श्लोक एवं पुष्पाजंली पर आधारित भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति से

सभी को आनंदित किया। संक्षिप्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद गुरु सम्मान कार्यक्रम हुआ। बोकारो के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक एवं संगीत गुरु नरेश कुमार सिन्हा, पंडित श्याम गोस्वामी एवं अमर जी सिन्हा को संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संस्कार भारती की ओर से गुरु सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्कार भारती की ओर से संस्था के संरक्षक एवं वरीय भाजपा नेता इंदु शेखर मिश्रा, श्रीराम मंदिर के वरीय पुजारी पंडित शिवजी शास्त्री एवं जाने माने गायक और संस्कार भारती के साहित्य प्रमुख अरुण पाठक ने सम्मान पत्र भेंट कर गुरुओं को सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को बहुत ऊंचा स्थान प्राप्त है। मंच संचालन महामंत्री स्वरूप शेखर पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन अरुण पाठक ने किया।

भाई की कलाई पर राखी बांध बहन ने मांगा रक्षा का वचन

बोकारो (आजाद सिपाही)। इस्पात नगर में शनिवार को भाई बहनों के प्रेम और स्नेह का त्योहार रक्षाबंधन धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रेशम के धागे से बनी राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र एवं सुख समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को तरह-तरह के उपहार दिये और उनकी रक्षा करने का वचन भी दिया।

एक सितंबर से इ-लॉटरी से होगी शराब दुकानों की बंदोबस्ती

आवेदन के साथ निर्धारित राशि और शुल्क का भुगतान ऑनलाइन 20 अगस्त तक करना अनिवार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिले में एक सितंबर से सभी 130 देसी-विदेशी शराब दुकानों का संचालन निजी स्तर पर होगा। इसके लिए उत्पाद विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। लॉटरी के माध्यम से सभी दुकानें आवंटित की जायेंगी। यह जानकारी उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि झारखंड उत्पाद नियमावली के तहत एक सितंबर से 31 मार्च 2030 तक के लिए धनबाद जिले की दुकानों की बंदोबस्ती की जायेगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार से ही शुरू हो गयी है। इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल

इक्सरसाइजलॉटरी.झारखंड.जीओवी.इन, जिला वेबसाइट धनबाद.एनआइसी.एन या संबंधित उत्पाद कार्यालय से नियमावली, आवेदन प्रपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ निर्धारित धरोहर राशि और शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यमों से 20 अगस्त की रात 11.59 बजे तक किया जाना अनिवार्य है। बतातें चलें कि लॉटरी के तहत धनबाद जिले में 104 कंपोजिट और 26 देशी शराब दुकानों की बंदोबस्ती होगी। इसके लिए 51 लॉट बनाये गये हैं। प्रत्येक लॉट में दो से चार दुकानों का समूह बनाया गया है।

इ-लॉटरी प्रक्रिया 22 अगस्त को

इ-लॉटरी प्रक्रिया 22 अगस्त की कुसब 11 बजे से कंप्यूटर रैंडमाइजेशन के जरिये शुरू होगी, जिसका लाइव प्रसारण विभागीय और जिला वेबसाइट के साथ ही समाहरणालय में भी किया जायेगा। चयन दुकानों के न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के अवरोही क्रम में किया जायेगा और परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने बताया कि चयनित आवेदकों को 25 अगस्त तक सभी दस्तावेजों के साथ प्रतिभूति राशि एवं वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के साथ ही 29 अगस्त तक दुकान स्थल का विवरण और अग्रिम उत्पाद परिवहन कर जमा करना होगा। तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर हेल्पडेस्क का गठन किया गया है, जो हर दिन सुबह 10 से शाम छह बजे तक क्रियाशील रहेगा।

सबलपुर वृद्धा आश्रम में शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाने का दिया गया निर्देश

धनबाद (आजाद सिपाही)। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार शनिवार को धनबाद पहुंचे। उन्होंने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड लाइन का निरीक्षण किया। वहां के कर्मियों से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इसके बाद दिव्यांगों के लिए संचालित पहला कदम विद्यालय का निरीक्षण किया। वहां के शिक्षकों एवं बच्चों से बात कर उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सचिव ने विभाग द्वारा दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं का

लाभ बच्चों को दिलाने के लिए पदाधिकारी को निर्देश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने सचिव को राखी भी बांधी। इसके बाद सचिव सबलपुर स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचे। उन्होंने वृद्धा आश्रम में जिन वृद्धों का आधार कार्ड नहीं बना है उनका शिविर लगाकर आधार कार्ड बनाने का निर्देश दिया। कहा कि आधार कार्ड बन जाने से उनको पेंशन का लाभ दिलाया जा सकेगा। इसके बाद सचिव ने बालिका गृह एवं हॉफवे गृह का भी भ्रमण किया और आवश्यक निर्देश दिया। इस मौके पर सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, विशंभर कुमार पोद्दार, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी संचित भगत, विमला कुमारी और आनंद कुमार आदि मौजूद थे।

पीएम मोदी को छोटी-छोटी बहनों ने बांधी राखी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश भी पोस्ट किया। पीएम मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान पीएम मोदी को ब्रह्माकुमारी दीदी ने राखी बांधी। इसके अलावा छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'रक्षा बंधन के विशेष अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।' प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आये। पीएम मोदी ने उनके साथ दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। मासूम बच्चियों में पीएम मोदी को राखी बांधने की होड़ दिखाई दी। पीएम मोदी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी से बहुत ही प्यार से राखी बंधवाई।

बेंगलुरु में बनेगा देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम

- 80,000 दर्शकों की क्षमता होगी, आरसीबी भगदड़ केस के बाद लिया गया फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे। यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जायेगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है। आरसीबी ने पहली बार आइपीएल ट्रॉफी जीती। इसी जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को चिन्नास्वामी में कार्यक्रम रखा गया था। इसमें भगदड़ मच गयी और 11 लोगों को जान गंवानी पड़ी।

स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जायेगा : 1,650 करोड़ रुपये की इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठायेगा। इसमें क्रिकेट मैदान के साथ-साथ आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा।

बड़े आयोजनों के लिए ठीक नहीं हैं एम चिन्नास्वामी : बेंगलुरु भगदड़ मामले की जांच करने वाले जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग ने कहा था कि 32,000 दर्शकों की क्षमता वाला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम बड़े आयोजनों के लिए ठीक नहीं है। आयोग ने सलाह दी थी कि ऐसे मैचों को ज्यादा जगह और बेहतर सुविधाओं व पार्किंग वाले स्थानों पर कराया जाये।

चार दिन बाद शुरू हुई केदारनाथ यात्रा दो हजार से अधिक श्रद्धालु हुए रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रुद्रप्रयाग। लगातार वर्षा और केदारनाथ पैदल मार्ग पर बोल्डर गिरने के चलते पिछले चार दिनों से बंद केदारनाथ यात्रा शनिवार को शुरू हो गयी। शनिवार को दो हजार से अधिक यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। बीते दिनों वर्षा और जगह-जगह भूस्खलन के चलते यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने चार दिन तक केदारनाथ यात्रा पर अस्थाई रूप से रोक लगायी हुई थी। गौरीकुंड और केदारनाथ के बीच हाइवे पर मुनकटिया व इसके आस-पास पहाड़ी से भूस्खलन हो रहा था, जबकि पहाड़ी से बोल्डर भी गिर रहे थे। गौरीकुंड-केदारनाथ धाम तक पैदल मार्ग पर भी कई जगहों पर वर्षा के चलते बोल्डर गिर रहे थे। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए अस्थाई रूप से रोक लगा दी थी।

मौसम पर निगरानी बनाये हुई थी पुलिस : शनिवार को सोनप्रयाग में सुबह से पुलिस मौसम पर निगरानी बनाये हुई थी। मौसम अनुकूल रहने पर उच्चाधिकारियों के निदेर्शों पर पुलिस ने यात्रियों को सोनप्रयाग से गौरीकुंड जाने की अनुमति दी, जबकि गौरीकुंड से भी पैदल मार्ग की स्थिति का आकलन करने और सभी परिस्थितियां अनुकूल रहने पर यात्रियों को केदारनाथ जाने की अनुमति दी गयी। सोनप्रयाग से दो हजार यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। विशेष रूप से सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच संवेदनशील जगहों पर पुलिस सुरक्षा के बीच यात्रियों की आवाजाही करायी गयी। कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत ने बताया कि मौसम अनुकूल रहने पर यात्रियों को सुरक्षा के बीच गौरीकुंड भेजा गया। वहां से भी पैदल मार्ग की स्थिति के अनुसार ही यात्री आगे भेजे गये।

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा पहुंची, यात्रा संपन्न

नयी दिल्ली। अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गयी। इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराये गये। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गयी थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किये, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

2 लोगों ने 160 सीटें जिताने का दावा किया : शरद पवार

- महाराष्ट्र चुनाव से पहले इन्हें राहुल गांधी के पास लेकर गया, उन्होंने ऑफर ठुकराया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो व्यक्तियों ने नयी दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने 288 में से 160 निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। नागपुर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों व्यक्तियों को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलवाया। शरद पवार ने यह खुलासा ऐसे समय में किया है, जब राहुल ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले नयी दिल्ली में दो लोग मुझसे मिले थे। उन्होंने विपक्ष (महा विकास आघाडी) को 288 में से 160 सीटें जीतने में मदद की गारंटी दी। एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने कहा कि मैंने उन्हें राहुल गांधी से मिलवाया। उन्होंने उन दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे नजरअंदाज कर दिया। उनका यह भी मानना था कि हमें ऐसे मामलों में नहीं पड़ना चाहिए और सीधे जनता के पास जाना चाहिए।

विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 132 सीटें जीतीं

शरद पवार ने दावा किया कि चूंकि दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे उन्होंने बहुत तवज्जो नहीं दी। इसलिए उन्होंने उनका नाम और संपर्क ब्योरा नहीं रखा। मालूम हो कि भाजपा ने विधानसभा चुनावों में 132 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने क्रमशः 57 और 41 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी ने अपनी हार के लिए ईवीएम में गड़बड़ी और डेटा में छेड़छाड़ को जिम्मेदार ठहराया था। महा विकास आघाडी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 में से 30 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी।

कुलगाम के अखल जंगल में 2 जवान शहीद

कुलगाम (आजाद सिपाही)। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गये। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह जानकारी मिली। ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। शनिवार को नौवां दिन है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है। 2 अगस्त की सुबह मारे गये आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो सी-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किये थे। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था।

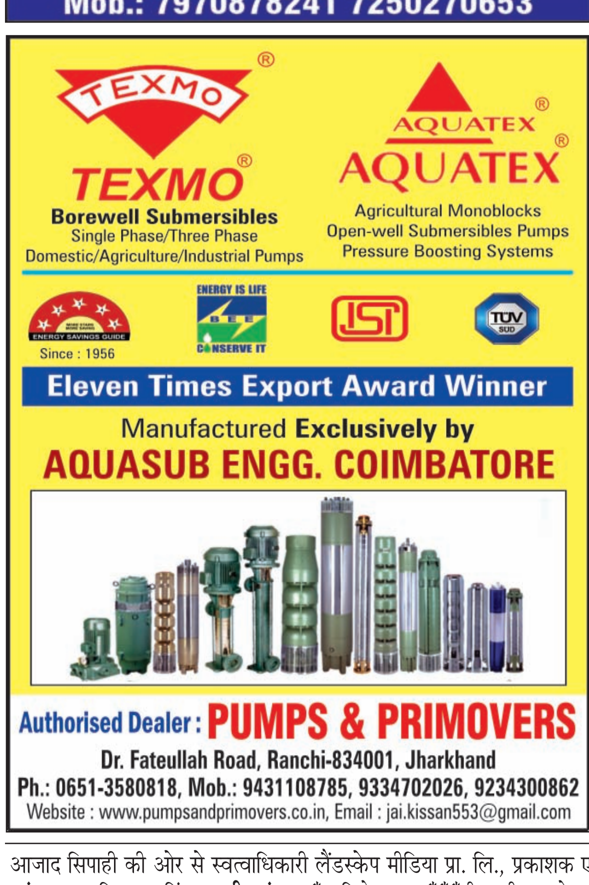

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**